दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-116 सीहोर, रविवार 21 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

नीट की दोबारा परीक्षा आज, 2 लाख कर्मी, सीसीटीवी कैमरे तैनात

-22 लाख छात्र देंगे परीक्षा, वायुसेना ने पहुंचाए प्रश्न पत्र

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) की दोबारा परीक्षा आज 21 जून को आयोजित की जाएगी। पहली बार में पेपर लीक होने के बाद अब सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने उम्मीदवारों और आम जनता के लिए एक पोर्टल लॉन्च किया है, जहां वे परीक्षा से संबंधित संदिग्ध गतिविधियों, फर्जी पेपर लीक के दावों और अन्य घटनाक्रमों को रिपोर्ट कर सकते हैं। आइए दोबारा परीक्षा की तैयारियों के बारे में जानते हैं।

एनटीए ने परीक्षा से पहले आज देशभर में मॉक ड्रिल की। परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए पुलिस, प्रशासन और केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तैयार की गई। एनटीए ने कहा कि 674

सिटी कोऑर्डिनेटर शहर के स्तर पर देखरेख के लिए तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 6,669 पर्यवेक्षक परीक्षा केंद्रों पर स्वतंत्र रूप से निगरानी के लिए तैनात किए गए हैं। हर परीक्षा केंद्र पर सेंटर सुपरिटेंडेंट और इनविजिलेटर नियुक्त किए गए हैं। आज होने वाली परीक्षा में 22.79 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसके लिए भारत के 551 और विदेश के 14 शहरों में 5,000 से ज्यादा परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। एनटीए के मुताबिक, परीक्षा के लिए 2 लाख से अधिक कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। पहली बार प्रश्न-पत्रों को पहुंचाने के लिए भारतीय वायु सेना की मदद ली गई है। वायुसेना के विमानों से प्रश्न पत्रों को केंद्रों तक पहुंचाया गया है। एनटीए के अनुसार, एग्जाम दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक पेन-एंड-पेपर मोड में होगी।

परीक्षा की अवधि 15 मिनट बढ़ाई गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उम्मीदवार प्रक्रियाओं के कारण संभावित देरी की भरपाई कर सके। पीडब्ल्यूडी और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के अभ्यर्थियों को शाम 6:20 बजे तक पेपर देने की अनुमति होगी। प्रश्न पुस्तिका में अब 2 पन्नों के बजाय 4 पन्ने रफ वर्क के लिए दिए गए हैं।पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, ओडिशा, उत्तराखंड और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों ने नीट उम्मीदवारों के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की है।

छात्र परीक्षा केंद्रों तक आने-जाने के दौरान अपना एडमिट कार्ड दिखाकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश में एक और नीट छात्र ने की आत्महत्या, फंदे से लटका मिला शव

गाजियाबाद(आरएनएस)। नीट-यूजी परीक्षा के दबाव में छात्रों के आत्महत्या करने का सिलसिला थम ही नहीं रहा है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 साल के एक छात्र ने अपने कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। यह जघन्य कदम उठाने से पहले छात्र ने एक भावुक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी मौत की वजह बयां की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।यह घटना गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 22 वर्षीय छात्र लंबे समय से नीट परीक्षा पास करने की कोशिश कर रहा था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के पितृ पर्वत पर गाय को गुड़ और रोटी खिलाई।

महाराष्ट्र के परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी, 6 श्रद्धालुओं की मौत, कई मलबे में दबे

मुंबई, (आरएनएस)। महाराष्ट्र के परभणी जिले में मंदिर की छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया है. जिसमें 6 लोगों की मौत की खबर है. रिपोर्ट के मुताबिक, मबले में कई लोग दब गए हैं, जिनके निकालने का प्रयास जारी है.एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा परभणी जिले के यशवाड़ी गांव में शनिवार दोपहर को एक हनुमान मंदिर में हुआ. अब तक मलबे से करीब 25 लोगों को बचाया गया है।

यशवाड़ी गांव छत्रपति संभाजीनगर से करीब 190 किमी दूर मनवत रोड पर है. पुलिस अधिकारी ने बताया, मंदिर के सभा-मंडप (बाहरी हॉल) का छत दोपहर करीब 3.30 बजे गिर गया. पुलिस और जिला प्रशासन ने अपनी टीमें भेज दी हैं, और बचाव अभियान चल रहा है. अब तक मलबे के नीचे से करीब 25 लोगों को निकाला गया है.उन्होंने कहा कि यह ठीक से पता नहीं चल पाया है कि नीचे कितने लोग फंसे थे और क्या कोई गंभीर रूप से घायल हुआ था.एक अन्य अधिकारी ने कहा कि शनिवार होने के कारण, जो भगवान हनुमान से जुड़ा दिन है, मंदिर में भक्तों की भीड़ थी।

कोरिया कटगोड़ी हत्याकांडः भाजपा नेता मनोज त्रिपाठी समेत चार आरोपियों ने किया आत्मसमर्पण

मनेंद्रगढ़,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में मंगलवार को हुई भाजपा नेता की नृशंस हत्या के मामले में आज मुख्य आरोपी मनोज त्रिपाठी समेत चार आरोपियों ने मनेंद्रगढ़ कोतवाली में आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें बैकुंठपुर जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि कोरिया जिले के ग्राम कटगोड़ी में 16 जून की रात को फॉर्च्यूनर सवार बीजेपी नेता भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह के साथ उनके साथियों को गाड़ी में पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था. घटना में भरत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई थी, वहीं उनके दो साथियों वीरेंद्र सिंह उर्फ वीरू और नागेंद्र सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में जबलपुर में होगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु रानी दुर्गावति विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में रविवार को होंगी शामिल
राज्यपाल श्री पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी होंगे शामिल

भोपाल (निप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती दौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस राज्य स्तरीय कार्यक्रम रविवार 21 जून को जबलपुर में सदर स्थित गैरिसन ग्राउंड में सुबह 6 बजे से आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम स्वस्थ आयु के लिये योग की थीम पर आयोजित किया जा रहे सामूहिक योग में लगभग 5 हजार नागरिकों की सहभागिता होगी। साथ ही 31 स्कूलों के लगभग 3 हजार 400 छात्र-छात्राएं भी शामिल रहेंगे।कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त

राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया है। इस वर्ष योग दिवस स्वस्थ आयु के लिए योग की अवधारणा को समर्पित है। आज पूरे विश्व में योग के लिये एक अदभुत वातावरण बना है। पूरा विश्व आज योग कर रहा है। भारतवर्ष के नागरिकों के लिये गौरव का क्षण है। योग का विधिवत विज्ञान यहाँ सुरक्षित है। योग दर्शन की विरासत से आज पूरा विश्व समाज लाभान्वित हो रहा है। नई पीढी इस अलौकिक समय के साक्षी बन रही हैं। हम आज गौरव और आनंद से भरे हैं। योग धर्म, जाति और रंग की सीमाओं से परे है। भारत का गौरव बढाने वाला क्षण तो है ही बल्कि पूरे विश्व को परम चेतना के प्रति जाग्रत करने का क्रांतिकारी कदम भी है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर का 36वां दीक्षांत समारोह 21 जून को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में ऐतिहासिक एवं भव्य स्वरूप में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल श्री पटेल करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी गिरफ्तार

कोलकाता (आरएनएस)। पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के दबंग नेता कहे जाने वाले जहांगीर खान की पत्नी सरीना बीबी (37) को आज सुबह गिरफ्तार किया है। सरीना पर फलता पुलिस थाने पर भीड़ जुटाकर पुलिस और केंद्रीय बलों पर हमले और जहांगीर खान को पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद, अब उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023, आर्म्स एक्ट 1959 और एक्सप्लोसिव्स एक्ट 1884 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, 16 जून को सरीना बीबी ने समर्थकों को जुटाकर थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन कराया था। भीड़ ने सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी भी की। मामले में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जिसने बीमा कराया सिर्फ उसका ही होगा हक, कोई तीसरा नहीं मांग सकता पैसा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि बीमा अनुबंध (इंश्योरेंस कॉन्ट्रैक्ट) पूरी तरह से बीमा कराने वाले और बीमा कंपनी के बीच का एक निजी समझौता होता है. इसके तहत कोई भी तीसरा पक्ष दावा नहीं ठोक सकता. यह आदेश जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने पारित किया।

इस मामले में अपीलकर्ता की ओर से वकील टी. वी. एस. राघवेंद्र श्रेयस और गायत्री गुलाटी, जबकि प्रतिवादी की ओर से वकील साक्षी मित्तल पेश हुईं. पीठ ने इस बात पर गौर किया कि मौजूदा मामले में अपीलकर्ता और बीमा कराने वाले व्यक्ति के बीच समझौते या समर्थन का स्वरूप स्पष्ट नहीं था

कि वह एक हायर-परचेज (किराया-क्रय), हाइपोथेकेशन (बंधक) या लीज (पट्टे) का समझौता था.पीठ ने गौर किया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने बिल्कुल सही फैसला सुनाया था कि फाइनेंसर के. प्रकाशचंद (अपीलकर्ता) और बीमा कंपनी के बीच कोई सीधा अनुबंध नहीं था. ऐसा इसलिए क्योंकि समझौता केवल अपीलकर्ता और बीमा कराने वाले व्यक्ति के बीच हुआ था और बीमा कंपनी को उस समझौते में पक्षकार नहीं बनाया गया था.पीठ ने ये टिप्पणियां प्रकाशचंद की उस याचिका को खारिज करते हुए कीं, जिसमें उन्होंने अपनी कस्टडी से चोरी हुए एक वाहन के लिए बीमा मुआवजे की मांग की थी. दरअसल, लोन की किस्तें न चुका पाने के बाद कर्जदार ने यह वाहन फाइनेंसर को सौंप दिया था. पीठ ने इस बात पर भी ध्यान दिया कि अपीलकर्ता ऐसा कोई दस्तावेजी सबूत पेश नहीं कर सका जिससे यह साबित हो सके कि बीमा कराने वाले व्यक्ति ने वाहन उसे सौंप दिया था।

कॉकरोच जनता पार्टी का फिर प्रदर्शन, थाली-चम्मच बजाकर मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

नईदिल्ली(आरएनएस)। नीट पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आज फिर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही है। इसमें पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके भी शामिल हुए हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने चम्मच और थाली लेकर गो प्रधान गो के नारे लगाए। प्रदर्शन से पहले दिपके ने लोगों से चम्मच और थाली साथ लाने की अपील की थी।दिपके मंच पर महात्मा गांधी और भीमराव अंबेडकर की फोटो लेकर पहुंचे। वहीं, मंच पर नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के पोस्टर लगाए गए हैं। दिपके ने लॉकडाउन के दौरान हुई थाली-चम्मच बजाने की घटना को याद किया। तंज कसते हुए उन्होंने कहा, इससे वाइब्रेशन पैदा होते हैं जो कोरोनावायरस को... इसीलिए मेरे दोस्तों ने एक नया आविष्कार किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली पर धर्मेंद्र प्रधान नाम का एक वायरस है।

दिल्ली के शाहदरा स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने को लेकर विवाद, यात्री की पीट-पीटकर हत्या

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां ट्रेन पकड़ने के दौरान हुए विवाद में एक यात्री की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक पीड़ित को पीटते हुए नजर आ रहे हैं और एक पुलिसकर्मी भी दिखाई दे रहा है। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले पंकज के तौर पर हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ये घटना आज सुबह करीब 6:30 बजे शाहदरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई। यहां हरिद्वार जाने वाली योगा एक्सप्रेस जैसे ही रुकी जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया और कुछ युवकों ने पंकज को बेहरमी से पीटना शुरू कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीड़ित को लोग लातों से जमीन पर गिराकर मार रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने कहा, मौके पर पहुंचने पर जांच अधिकारी ने पाया कि पीड़ित पंकज धामा के साथ योग एक्सप्रेस में चढ़ने की कोशिश के दौरान साथी यात्रियों ने घूंसों और लातों से बुरी तरह मारपीट की थी। धामा को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां दुर्भाग्य से उसे मृत घोषित कर दिया गया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 105 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

सात साल का इंतजार खत्म, कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए खुला रास्ता

गंगटोक,(आरएनएस)। आस्था और भक्ति की प्रतीक कैलाश मानसरोवर यात्रा का शनिवार से विधिवत शुभारंभ होने जा रहा है, जिसमें श्रद्धालुओं का पहला दल सिक्किम के ऐतिहासिक नाथू ला दर्रे से अपनी अलौकिक यात्रा का आरंभ करेगा। वैश्विक स्तर पर विख्यात इस पावन तीर्थयात्रा की पुन: शुरुआत से शिव भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। तिब्बत स्थित पवित्र माउंट कैलाश और मानसरोवर झील के दर्शन के लिए जाने वाले इस मार्ग पर सुरक्षा और सुविधा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

तीर्थयात्रियों का विभाजन और प्रशासनिक सुरक्षा

इस वर्ष कुल 500 श्रद्धालुओं को नाथू ला मार्ग से यात्रा करने की अनुमति दी गई है, जिन्हें 50-50 के 10 अलग-अलग जत्थों में बांटा गया है। यात्रा के दौरान कुशल समन्वय, स्वास्थ्य देखभाल और आपातकालीन सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक दल के साथ एक संपर्क अधिकारी और एक योग्य चिकित्सा सहायक को अनिवार्य रूप से नियुक्त किया गया है। भारत और चीन की सीमाओं पर इमिग्रेशन और सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा यात्रियों की सुगम जांच के बाद उन्हें बसों के माध्यम से तिब्बत के याडोंग काउंटी ले जाया जाएगा, जहां उनके रहने, भोजन और मुद्रा विनिमय (करेंसी एक्सचेंज) की मुकम्मल व्यवस्था की गई है।

चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने सोशल मीडिया पर एक विशेष वीडियो संदेश जारी कर सभी तीर्थयात्रियों का आत्मीय अभिनंदन किया है। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, विदेश मंत्रालय और चीनी प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह यात्रा 20 जून को भारतीय सीमा से प्रस्थान कर रही है। तैयारियों को पुख्ता करने के लिए राजनयिक दल ने हाल ही में सिक्किम के नाथू ला और उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे जैसे प्रमुख ट्रांजिट पॉइंट्स का दौरा कर लॉजिस्टिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की थी। दूतावास ने यात्रियों की सहायता के लिए आने वाले दिनों में और भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही है।

चार प्रमुख धर्मों की महाआस्था का केंद्र

कैलाश मानसरोवर सिर्फ सनातन धर्मावलंबियों के लिए ही नहीं, बल्कि बौद्ध, जैन और बॉन मत के अनुयायियों के लिए भी परम पूजनीय स्थल है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जहां माउंट कैलाश देवाधिदेव महादेव भगवान शिव का अलौकिक निवास स्थान है, वहीं मानसरोवर झील को सृष्टि के सबसे पवित्र जलाशयों में गिना जाता है। दुर्गम रास्तों और विपरीत मौसम के बावजूद, यह यात्रा देश-विदेश के हजारों श्रद्धालुओं के लिए आंतरिक शांति, असीम सहनशक्ति और अनन्य भक्ति का एक ऐसा अनूठा आध्यात्मिक अनुभव है, जिसे वे अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार अवश्य जीना चाहते हैं।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का रखें ध्यान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने शनि मंदिर त्रिवेणी क्षेत्र में किया पौध-रोपण

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सिंहस्थ : 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शनि मंदिर त्रिवेणी क्षेत्र में 778 करोड़ रुपए राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाट निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ : 2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव के अनुरूप हो। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने नवीन घाट निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी। एसीएस डॉ. राजौरा ने बताया कि 29.15 किमी नवीन घाट का निर्माण 778 करोड़ रुपए राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है। लगभग 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्य तेजी से प्रगतिरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, नगरीय आवास एवं विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने शनि मंदिर त्रिवेणी क्षेत्र में नीम, रुद्राक्ष, पीपल के पौधे रोप कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हे कि प्रदेश वनों से आच्छादित रहे।

कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण, टनल मे उतर कर देखी गुणवत्ता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया। परियोजना के टनल भाग में उतरकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने चिंतामन जवासिया गांव के समीप स्थित शाफ्ट नंबर-2 पर फेज नंबर-3 के कार्य की विस्तृत जानकारी ली। एसीएस डॉ. राजेश राजौरा द्वारा योजना की जानकारी दी गई। टनल पहुंच एवं रखरखाव संबंधी तकनीकी पहलुओं की जानकारी भी दी गई। परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को शहर में शिप्रा नदी के प्रमुख घाटों एवं तीर्थ स्थलों में मिलने से रोकना है, जिससे शिप्रा नदी का जल स्वच्छ बना रहे। परियोजना के अंतर्गत ग्राम जमालपुरा, तहसील उज्जैन में कान्ह नदी पर एक बैराज का निर्माण किया जा रहा है, जिससे दूषित जल को क्लोज डक्ट के माध्यम से 30.15 किमी दूर गम्भीर बांध के डाउन स्ट्रीम में छोड़ा जाएगा। परियोजना की लागत 919.94 करोड़ रुपए है। इसकी कुल लंबाई 30.15 किमी (कट एंड कवर डक्ट: 18.15 किमी + टनल: 12.00 किमी) है। टनल भाग में 4 शाफ्टों का निर्माण पहुंच एवं सफाई तथा रखरखाव के लिए किया गया है। डक्ट का डी-आकार का क्रॉस सेक्शन, अधिकतम 40 क्यूसेक दूषित जल की निकासी क्षमता रखता है। परियोजना को आगामी 25 वर्ष तक की जनसंख्या वृद्धि को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। निर्माण पूर्ण होने के बाद आगामी 15 वर्ष तक संचालन एवं संधारण का प्रावधान है।

बड़ा तालाब से टीटी नगर स्टेडियम तक गूंजा योग का संदेश

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री सेठ एवं मंत्री श्री सारंग के साथ हजारों युवाओं ने किया योग

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व सुबह पर राजधानी भोपाल में आयोजित योग कार्यक्रमों में उत्साह और जनभागीदारी का अद्भुत संगम देखने को मिला। टीटी नगर स्टेडियम में आयोजित योग कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ एवं सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने योग को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का आधार बताते हुए नागरिकों, विशेषकर युवाओं से नियमित योग अपनाने का आह्वान किया। मंत्री श्री सारंग बड़ा तालाब स्थित बोट क्लब में आयोजित योग अभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। प्राकृतिक वातावरण में आयोजित इस योगाभ्यास में भोपाल के हजारों युवा, खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए और सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरी दुनिया भारतीय योग परंपरा को अपना रही है।

इंदौर पुलिस ने 48 घंटे में चोरी का किया खुलासा

सोने का छत्र, हीरे जड़ा मुकुट, चांदी के सिक्के, आईफोन एवं मोटर साइकिल सहित लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपए की संपत्ति जब्त

भोपाल, (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण तथा अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के तहत इंदौर पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। पुलिस थाना लसूड़िया की टीम ने कार शोरूम में हुई लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का मात्र 48 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गई संपूर्ण संपत्ति बरामद किया है। 17 जून को इंदौर स्थित पटेल मोटर्स मारुति कार शोरूम के ऑपरेशन मैनेजर सुरेन्द्र चौधरी द्वारा थाना लसूड़िया में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि शोरूम के केबिन में रखे एप्पल आईफोन, सोने के आभूषण तथा चांदी के सिक्के अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत पर थाना लसूड़िया में प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए इंदौर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदेह के आधार पर शोरूम में कार्यरत कर्मचारी लक्की बोरासी (19 वर्ष) निवासी बड़ी ग्वालटोली, इंदौर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह शोरूम में साफ-सफाई का कार्य करता था तथा उसे शोरूम की गतिविधियों एवं सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी थी। इसी विश्वास का लाभ उठाकर उसने पहले एप्पल आईफोन चोरी किया तथा बाद में अवसर पाकर शोरूम मालिक के केबिन स्थित लॉकर से मंदिर का सोने का छत्र एवं हीरे जड़ा मुकुट सहित अन्य कीमती सामग्री चोरी कर ली। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लगभग 1 किलो 426 ग्राम वजनी सोने का छत्र, हीरे जड़ा मुकुट, 12 चांदी के सिक्के, एक एप्पल आईफोन तथा एक मोटरसाइकिल सहित लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने महंगे शौक एवं ऐशो-आराम की जिंदगी जीने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस द्वारा आरोपी का रिमांड प्राप्त कर उससे अन्य अपराधों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा की गई यह त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई अपराध नियंत्रण, वैज्ञानिक विवेचना तथा नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को पुन: स्थापित करती है। प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

तबादलों में करोड़ों के लेनदेन का आरोप, कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कथित तबादला उद्योग संचालित किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने के दौरान चले तबादला अभियान ने प्रशासनिक पारदर्शिता और सुशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।जीतू पटवारी ने शनिवार को बयान जारी कर आरोप लगाया कि प्रदेश में तबादलों की प्रक्रिया प्रशासनिक आवश्यकता के बजाय आर्थिक लेनदेन से प्रभावित हो रही है। उनके अनुसार, विभिन्न विभागों में पदस्थापना और तबादलों के लिए कथित रूप से तय दरों पर लेनदेन किया जा रहा है तथा पूरी व्यवस्था दलालों, बिचौलियों और कुछ अधिकारियों के प्रभाव में संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि वह पहले भी इस मुद्दे को उठा चुके हैं और आज पुन: दोहरा रहे हैं कि प्रदेश में तबादलों को एक संगठित व्यवस्था का रूप दे दिया गया है। उनका दावा है कि अधिकारी, कर्मचारी और संविदाकर्मी तक इस व्यवस्था से प्रभावित हैं तथा विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग स्तर पर कथित आर्थिक मांगें की जा रही हैं। पटवारी ने हाल में सामने आए एक स्टिंग ऑपरेशन का हवाला देते हुए कहा कि उसमें विभिन्न विभागों से जुड़े कुछ व्यक्तियों द्वारा तबादलों के बदले धनराशि मांगे जाने के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो तबादला प्रक्रिया से जुड़े गंभीर तथ्य उजागर हो सकते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि जांच के दौरान कई मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों से संपर्क किए जाने की जानकारी सामने आई है। उनके अनुसार, यदि पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो तो प्रदेश के इतिहास के सबसे बड़े कथित तबादला घोटालों में से एक का खुलासा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में कर्मचारियों और अधिकारियों को मनचाही पदस्थापना के लिए भारी रकम खर्च करनी पड़ रही है। विभिन्न स्तरों के तबादलों के लिए लाखों रुपये तक की मांग किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं।

निजी फोटो भेजकर पूर्व-मंगेतर ने शादी तुड़वाई.. युवक ने एसिड पिया; मौत

भोपाल (ए.)। भोपाल के करोंद स्थित रतनपुर कॉलोनी में 24 वर्षीय युवक लखन किरार ने एसिड पी लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। शनिवार को उसकी मौत हो गई। निशातपुरा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, लखन किरार चौक बाजार स्थित एक गारमेंट्स दुकान में सेल्समैन था। 10 मई को उसकी शादी होने वाली थी। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। रिश्तेदारों को निमंत्रण पत्र बंट गया था, लेकिन शादी से कुछ दिन पहले उसका रिश्ता टूट गया।जीजा आकाश सूर्यवंशी का आरोप है कि शादी से करीब 10 दिन पहले लखन का अपनी पूर्व मंगेतर से दोबारा संपर्क हुआ। इसी दौरान उसका एक निजी फोटो लड़की पक्ष तक पहुंच गया। उस लड़की से भी शादी टूट गई। जीजा का आरोप है कि वह वह फोटो पूर्व मंगेतर ने भेजा था। जीजा के अनुसार, शादी टूटने के बाद लखन अपनी पूर्व मंगेतर के साथ विदिशा में रहने चला गया था। बाद में दोनों भोपाल लौटे। कुछ दिनों तक साथ रहे। फिर उनमें विवाद शुरू हो गया। जीजा का दावा है कि युवती ने आगे साथ रहने और शादी करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद दोनों अलग हो गए।जीजा का कहना है कि घटनाक्रम से लखन काफी परेशान था। 18 जून की रात उसने एसिड पी लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शनिवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

कैंसर दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी पर उमंग सिंघार का सरकार पर हमला, आयुष्मान योजना की सीमा बढ़ाने की मांग

भोपाल, (ए.)। कैंसर उपचार में उपयोग होने वाली कुछ दवाओं की कीमतों में वृद्धि और उनकी उपलब्धता को लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने केंद्र एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती दवा कीमतों और बाजार में दवाओं की कमी से कैंसर मरीजों तथा उनके परिजनों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।उमंग सिंघार ने शनिवार को मीडिया में जारी अपने बयान में कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ने से मरीजों की परेशानी बढ़ी है। उनका आरोप है कि कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे इलाज का खर्च काफी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि एक कीमोथेरेपी साइकिल का खर्च पहले की तुलना में दो से तीन हजार रुपये तक बढ़ गया है। वहीं जिन मरीजों को 6 से 12 कीमोथेरेपी साइकिल की जरूरत होती है, उनके इलाज पर कुल अतिरिक्त खर्च 15 से 20 हजार रुपये तक पहुंच सकता है।

रतलाम के डायल-112 हीरोज, परित्यक्त अवस्था में मिली नवजात बच्ची को सुरक्षित संरक्षण देकर पहुँचाया अस्पताल

भोपाल, (ए.)। रतलाम जिले के थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही से रेलवे ब्रिज के नीचे परित्यक्त अवस्था में मिली एक नवजात बच्ची को सुरक्षित संरक्षण प्रदान करते हुए समय पर अस्पताल पहुँचाया गया। पुलिस की मानवीय पहल से नवजात को तत्काल चिकित्सकीय देखभाल उपलब्ध कराई जा सकी।

18 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना औद्योगिक क्षेत्र जावरा अंतर्गत रेलवे ब्रिज के नीचे एक नवजात बच्ची परित्यक्त अवस्था में मिली है, जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति छोड़कर चला गया है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया तथा वरिष्ठ अधिकारियों को भी घटना से अवगत कराया गया।

डायल-112 स्टाफ आरक्षक हीरालाल दांगी एवं पायलट अशोक सेन तत्काल घटनास्थल पर पहुँचे और नवजात बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। इसके उपरांत डायल-112 टीम ने बच्ची को डायल-112 वाहन से शासकीय चिकित्सालय जावरा पहुँचाकर भर्ती कराया।

डायल-112 हीरोज श्रृंखला की यह घटना दर्शाती है कि डायल-112 सेवा केवल आपातकालीन सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों एवं जरूरतमंद नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए मानवीय संवेदनाओं के साथ हर परिस्थिति में सहायता पहुँचाने का कार्य निरंतर कर रही है।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने उज्जैन के शनि मन्दिर त्रिवेणी क्षेत्र के नवीन घाटों पर पौध-रोपण किया।

सिंहस्थ-2028 के लिए एमपी ट्रांसको के कार्यों में गुणवत्ता के साथ समय-सीमा का भी रखा जाए विशेष ध्यान

उज्जैन में निर्माणाधीन विद्युत सब स्टेशनों का निरीक्षण कर एम डी ने दिए निर्देश

भोपाल (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा किए जा रहे पारेषण अधोसंरचना विकास कार्यों का निरीक्षण कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने किया। निरीक्षण में उन्होंने 132 केवी सब स्टेशन चिंतामन तथा उज्जैन के प्रथम 132 केवी जीआईएस सब स्टेशन त्रिवेणी विहार के निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन किया। प्रबंध संचालक ने अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ-2028 से संबंधित नोटिफाइड कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर तथा उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। सिंहस्थ -28 के दौरान विद्युत की अनुमानित अधिकतम 750 मेगावाट की मांग रहने का आकलन किया गया है। इस मांग की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एमपी ट्रांसको द्वारा उज्जैन में विभिन्न सब स्टेशनों का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर में दो नए एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) विद्युत सब स्टेशनों के कार्यों की समीक्षा की। अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए सभी परियोजनाओं को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक के साथ निरीक्षण में उज्जैन एवं इंदौर क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

नागरिक सुविधाओं का विस्तार निरंतर जारी है : भगवानदास सबनानी

भोपाल (संदीप पंडा)। विधायक भगवानदास सबनानी ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 29 एवं वार्ड 46 में विकास कार्यों के लिए शनिवार को भूमि पूजन किया। दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य तीव्र गति के साथ किये जा रहे है समय-समय कार्यों की समीक्षा कर, नए कार्य भी प्रारंभ किया जा रहे हैं। शनिवार को विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा वार्ड 46 की याचना कॉलोनी ऋषि नगर एवं न्यू नर्मदा भवन क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए एवं वार्ड 29 के राहुल नगर में सीसी रोड निर्माण कार्य का भी भूमि पूजन किया गया।

इन कार्यों के हो जाने से नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा।

इस अवसर पर सबनानी ने कहा कि संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र के लिए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य किया जा रहे हैं समय-समय पर कार्यों की समीक्षा की जाती है कार्य समय सीमा में हो इसके विशेष निर्देश दिए गए हैं। समय-समय पर क्षेत्र की जनता से संवाद कर विकास कार्यों की योजनाएं बनाई जाती हैं, मेरा प्रयास है दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र को सुविधायुक्त, स्वच्छ एवं विकसित क्षेत्र बनाया जाए, इसके लिए हम सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे।

इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा, मंडल अध्यक्ष हेमंत बड़गैया, महामंत्री लक्ष्मी गोरेवर, राकेश जैन, पंकज त्रिपाठी, मुन्ना पूरी, विनोद प्रजापति, नंदू सनासे सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

नीट परीक्षार्थियों की सहायता हेतु भोपाल सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प बूथ स्थापित

भोपाल (निप्र)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-2026) दिनांक 21 जून 2026 को आयोजित की जा रही है। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले हजारों अभ्यर्थियों की सुविधा एवं उनके परीक्षा केन्द्रों तक सुगम आवागमन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल द्वारा विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। भोपाल मंडल के अंतर्गत परीक्षा केन्द्रों वाले प्रमुख शहरों भोपाल, विदिशा, होशंगाबाद, गुना एवं अशोकनगर में बड़ी संख्या में परीक्षार्थियों के आगमन की संभावना को देखते हुए संबंधित रेलवे स्टेशनों पर विशेष हेल्प बूथ स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प बूथों पर रेलवे कर्मचारियों द्वारा परीक्षार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान की जाएगी। सीनियर मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि हेल्प बूथों पर परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुँचने के मार्ग, स्थानीय परिवहन सुविधाओं, स्टेशन परिसर की आवश्यक जानकारियों तथा अन्य उपयोगी सूचनाओं के संबंध में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त स्टेशन परिसरों में यात्रियों एवं अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु पूछताछ व्यवस्था एवं उद्घोषणा प्रणाली को भी सुदृढ़ किया गया है। परीक्षा दिवस पर रेलवे सुरक्षा बल, वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के कर्मचारियों की अतिरिक्त तैनाती की गई है ताकि स्टेशन परिसरों एवं प्लेटफार्मों पर यात्रियों की आवाजाही सुचारु बनी रहे।

आवश्यकता अनुसार कतार प्रबंधन, मार्गदर्शन एवं भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित की गई हैं। भोपाल मंडल के क्षेत्राधिकार में स्थित परीक्षा केन्द्रों वाले शहरों में भोपाल में 13,774, गुना में 1,839, विदिशा में 1,709, होशंगाबाद में 1,283 तथा अशोकनगर में 865 परीक्षार्थियों के परीक्षा में सम्मिलित होने की संभावना है। रेलवे प्रशासन द्वारा इन सभी स्टेशनों पर विशेष निगरानी रखने एवं परीक्षार्थियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। रेल प्रशासन ने परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे यात्रा के लिए पर्याप्त समय लेकर स्टेशन पहुँचें तथा किसी भी प्रकार की सहायता हेतु स्टेशन पर स्थापित हेल्प बूथों एवं रेलवे कर्मचारियों से संपर्क करें।

मध्यप्रदेश पर्यटन के 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन' को मिला प्रतिष्ठित 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026'

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने पर्यटन क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित करते हुए अपने 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन' के लिए प्रतिष्ठित 'स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026' प्राप्त किया है। यह सम्मान राज्य में सतत, समुदाय-केंद्रित एवं पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिये किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान 108वें स्कॉच समिट – 'विकसित भारत' के अंतर्गत नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह प्रदान किया गया। इस अवसर पर देश से नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से रेसिडेंट मैनेजर देवेंद्र राय ने यह सम्मान ग्रहण किया। यह उपलब्धि प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, समावेशिता एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के प्रति मध्यप्रदेश पर्यटन की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा संचालित 'रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन' स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए पर्यटन के माध्यम से आजीविका संवर्धन, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण तथा पर्यावरणीय संतुलन को सुदृढ़ करने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। यह सम्मान न केवल मध्यप्रदेश पर्यटन की अभिनव एवं दूरदर्शी कार्यप्रणाली की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है, बल्कि राज्य को जिम्मेदार एवं सतत पर्यटन के क्षेत्र में एक अग्रणी मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है।

प्रेम प्रसंग में की छात्रा की हत्या, सीसीटीवी सुराग के बाद आरोपी तक पहुंची पुलिस, पूछताछ जारी

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में युवती की हत्या के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किए जाने की संभावना है।

कोतवाली थाना प्रभारी आशीष धुर्वे ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर देर रात एक आरोपी को हिरासत में लिया। आरोपी मृतका के गांव का ही निवासी बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे प्रेम संबंधों से जुड़ा विवाद होने की आशंका है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

गौरतलब है कि शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत लालबाग इलाके में एक मकान में युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और एसएफएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मृतका चांद क्षेत्र की निवासी थी और छिंदवाड़ा में रहकर कॉलेज में एमए की पढ़ाई कर रही थी। थाना प्रभारी आशीष धुर्वे ने बताया कि शुरुआती जांच में युवती की मौत गला घोंटने से होना सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटाए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों की अंतिम पुष्टि की जाएगी। वहीं पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच करते हुए आरोपी से पूछताछ कर रही है।

दोहरे हत्याकांड का खुलासा: उज्जैन में दामाद ने सास और उसके प्रेमी को उतारा मौत के घाट, दो आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन (ए)। उज्जैन में घटित दोहरे हत्याकांड को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है। वहीं, थाना राघवी पुलिस ने महुडीपुरा रोड पर मिले महिला-पुरुष के शवों के मामले में दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में दामाद और उसके भाई को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है।

राघवी थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह बन्देवार ने बताया कि 18 जून को ग्राम महुडीपुरा रोड स्थित खेत की मेड़ पर कालूराम वर्मा (40 वर्ष), निवासी बैलाखेड़ा और मंजुबाई शर्मा (42 वर्ष), निवासी बैलाखेड़ा के शव मिले थे। सूचना पर राघवी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, भौतिक साक्ष्यों और वैज्ञानिक जांच के आधार पर हत्या का मामला सामने आने पर थाना राघवी में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान की

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) करणदीप सिंह और एसडीओपी महिदपुर जेडेन लिंगजर्पा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह बन्देवार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों की पहचान की। इसके बाद अनिल पिता आनंदीलाल (24 वर्ष), निवासी बरखेड़ा बुजुर्ग और कालूराम पिता आनंदीलाल (28 वर्ष), निवासी बरखेड़ा बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि रफीक पिता मुबारक (46 वर्ष), निवासी नवदुर्गा कॉलोनी, अभी फरार है।

हत्या की वजह बना पारिवारिक विवाद

पूछताछ में सामने आया कि मृतका मंजुबाई के कालूराम वर्मा से अवैध संबंध थे। मंजुबाई की बेटी की शादी आरोपी अनिल से हुई थी। शादी के बाद अनिल की पत्नी बार-बार मायके चली जाती थी। अनिल के समझाने के बावजूद मंजुबाई और उसके परिजन बेटी को ससुराल भेजने के लिए तैयार नहीं थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते अनिल ने अपने भाई कालूराम और साथी रफीक के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा और मंजुबाई व कालूराम वर्मा की हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं, फरार आरोपी रफीक की तलाश जारी है।

भागीरथपुरा क्षेत्र में युवक की चाकू मारकर हत्या, पुरानी रंजिश में वारदात का आरोप; दो आरोपी चिन्हित

इंदौर (ए)। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में देर रात बदमाशों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस ने इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपियों की पहचान कर ली है और जल्द ही घटना के पीछे की वजह का खुलासा किया जा सकता है। घटना को लेकर एसीपी रुबीना मिजबानी ने बताया कि मामला बाणगंगा थाना क्षेत्र के भागीरथपुरा स्थित एमआर-11 रोड का है। आरोपी अमन और हिमांशु ने भागीरथपुरा निवासी विशाल पर चाकू से हमला कर हत्या की वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि विशाल का कुछ दिन पहले अमन और हिमांशु से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

ग्वालियर में 8 साल की मासूम की पीट-पीटकर हत्या का आरोप, गुल्लक से पैसे निकालने के शक में पड़ोसी हिरासत में

ग्वालियर (ए.)। ग्वालियर के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के बरा गांव में आठ वर्षीय मासूम अलीना की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बच्ची की मौत बेरहमी से की गई मारपीट के कारण हुई। उसके शरीर पर सिर से लेकर पैर तक 10 से अधिक गंभीर और अंदरूनी चोटों के निशान मिले हैं। मामले में पुलिस ने पड़ोसी आमीन खान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि शुक्रवार शाम अलीना खेलते-खेलते पड़ोसी आमीन खान के सूने घर में चली गई थी। आरोप है कि वहां रखी गुल्लक से उसने कुछ रुपए निकाल लिए थे। एक राहगीर ने बच्ची को घर के ताले के पास देखा था। बाद में तलाश के दौरान आमीन को अलीना पास की एक दुकान पर कोल्ड ड्रिंक पीते हुए मिली। पूछताछ में बच्ची ने रुपये लेने की बात स्वीकार कर ली और रुपये भी वापस मिल गए।

हालत की गंभीरता को समझ नहीं सके परिजन

पुलिस के अनुसार रुपये वापस मिलने के बावजूद आमीन का गुस्सा शांत नहीं हुआ। आरोप है कि वह अलीना को अपने साथ ले गया और कमरे में बंद कर उसकी बुरी तरह पिटाई की। मारपीट इतनी गंभीर थी कि जब वह बच्ची को घर छोड़ने पहुंचा, तब वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थी। परिजन उसकी हालत की गंभीरता को समझ नहीं सके। रातभर दर्द से तड़पने के बाद शुक्रवार रात अलीना का शव बिस्तर पर मिला।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ली और डॉक्टरों के विशेष पैनल से पोस्टमार्टम कराया। जांच में बच्ची के शरीर पर कई गहरे और अंदरूनी चोटों के निशान पाए गए। अत्यधिक मारपीट के कारण अंदरूनी रक्तस्राव हुआ और शरीर के महत्वपूर्ण अंगों ने काम करना बंद कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

साधु की संदिग्ध मौत पर परिजनों ने जताया शक, भाई की शिकायत पर 10 दिन बाद समाधि से निकाला शव

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के मंगलनाथ क्षेत्र स्थित एक कुटिया के पीछे साधु गंगेश्वरी महाराज की समाधि से शव निकाले जाने के बाद सनसनी फैल गई है। परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने एसडीएम की मौजूदगी में समाधि की खुदाई कर शव बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस के अनुसार जावरा के पीपली बाजार निवासी अनिल जोशी ने 17 जून को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके भाई सुनील जोशी, जो संन्यास लेने के बाद गंगेश्वरी महाराज के नाम से साधु जीवन व्यतीत कर रहे थे, मंगलनाथ क्षेत्र स्थित मलानी बाबा की कुटिया में रहते थे।

साधु की संदिग्ध मौत पर परिजनों ने जताया शक, भाई की शिकायत पर 10 दिन बाद समाधि से निकाला शव

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के मंगलनाथ क्षेत्र स्थित एक कुटिया के पीछे साधु गंगेश्वरी महाराज की समाधि से शव निकाले जाने के बाद सनसनी फैल गई है। परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने एसडीएम की मौजूदगी में समाधि की खुदाई कर शव बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। चिमनगंज मंडी थाना पुलिस के अनुसार जावरा के पीपली बाजार निवासी अनिल जोशी ने 17 जून को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके भाई सुनील जोशी, जो संन्यास लेने के बाद गंगेश्वरी महाराज के नाम से साधु जीवन व्यतीत कर रहे थे, मंगलनाथ क्षेत्र स्थित मलानी बाबा की कुटिया में रहते थे।

जिला अस्पताल के बाहर दंपति का हाईवोल्टेज ड्रामा, पत्नी ने चप्पलों से की पति की पिटाई

पन्ना (ए.)। जिला अस्पताल के बाहर बीती रात पति-पत्नी के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते सड़क पर हाई वोल्टेज ड्रामे में बदल गया। दोनों के बीच जमकर कहासुनी हुई और फिर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस दौरान सड़क पर लात-घूंसे चले और पत्नी ने गुस्से में आकर पति की चप्पलों से पिटाई कर दी। घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार दंपति किसी परिजन का इलाज कराने पन्ना जिला अस्पताल पहुंचे थे। इलाज के दौरान या उसके बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। पहले तो दोनों के बीच तीखी बहस हुई लेकिन कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ने सार्वजनिक स्थान पर ही एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने शुरू कर दिए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद के दौरान पत्नी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने पैर से चप्पल निकाली और बीच सड़क पर ही पति की पिटाई शुरू कर दी। पति भी पीछे नहीं हटा और दोनों के बीच धक्का-मुक्की तथा हाथापाई होने लगी। यह नजारा देखकर अस्पताल परिसर और आसपास मौजूद लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। घटना के दौरान वहां मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, लेकिन गुस्से में दोनों किसी की सुनने को तैयार नहीं थे। इसी बीच किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल फोन से पूरे घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

डिप्टी मैनेजर से रंगदारी मांगने वाले 3 हिस्ट्रीशीटरों पर पुलिस का शिकंजा, अब सलाखों के पीछे आरोपी

उज्जैन (ए.)। नागदा में एक कंपनी के डिप्टी मैनेजर से पांच लाख रुपये की फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने खुद को इलाके का दबंग बताकर पहले धमकाया और फिर मौके पर ही 5 हजार रुपये नकदी वसूल ली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त मोटर साइकिल और नकदी बरामद की है।

फरियादी राजेश यादव, जो नागदा स्थित लैनेक्स कंपनी में डिप्टी मैनेजर हैं, ने बिरलाग्राम थाने में शिकायत दर्ज कराई कि तीन युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया।

आरोपियों ने खुद को इलाके का दबंग बताते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी और पांच लाख रुपये की फिरौती की मांग की।

शिकायत के अनुसार आरोपियों ने मौके पर ही डरा-धमकाकर उनसे 5 हजार रुपये भी वसूल लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और वसूली गई राशि में से 560 रुपये नकद बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने शेष रकम खर्च कर देने की बात स्वीकार की है।

हिस्ट्रीशीटर निकले आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों में उमेश कल्याणे (28 वर्ष), दीपक कल्याणे (34 वर्ष) और संदीप राठौड़ (30 वर्ष) शामिल हैं। आरोपियों पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनके अन्य आपराधिक मामलों की भी जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार 7 साल की बच्ची की मौत, पिता घायल

राजगढ़,(ए.)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें 7 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसके पिता को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गुस्से में कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर जांच शुरु की। पुलिस के अनुसार, ग्राम महाबल जोड़ के पास यह हादसा हुआ। प्रेमपुरा निवासी देवीसिंह पुत्र मांगीलाल तंवर अपनी बेटी मोंटी के साथ बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर जा गिरे। हादसे में देवीसिंह घायल हो गए, जबकि उनकी 7 वर्षीय बेटी मोंटी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर 112 डायल की टीम मौके पर पहुंची और घायल देवीसिंह को जिला चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस ने बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि हादसे की खबर लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। बच्ची की मौत से नाराज लोगों ने कार में तोड़फोड़ कर दी। बाद में पुलिस ने समझाइश देकर स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने कार को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

खेत में काम करने गए किसान की हत्या, खून से लथपथ मिला शव; सिर पर धारदार हथियार के निशान

रतलाम (ए.)। जिले के ताल थाना क्षेत्र की खारवाकला पुलिस चौकी के ग्राम कोठड़ी (मंडावल) में खेत पर काम करने गए एक किसान की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह खेत में खून से सना शव मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

जानकारी के अनुसार मृतक राजेंद्र सिंह डांगी उर्फ बबलू (35) पुत्र दुलेसिंह डांगी खेती-किसानी के साथ ट्रैक्टर चलाने का कार्य भी करता था। वह अपने खेतों के अलावा अन्य किसानों के खेतों में भी ट्रैक्टर से जुताई का काम करता था। परिजनों के मुताबिक राजेंद्र 19 जून को दोपहर करीब एक बजे खेत पर काम करने के लिए घर से निकला था लेकिन रात तक वापस नहीं लौटा। चूंकि वह खेती के कार्य के चलते कई बार रात में खेत पर ही रुक जाता था, इसलिए परिजनों ने उसकी तलाश नहीं की।

शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे उसका चचेरा भाई रामेश्वर डांगी खेत पर गाय का दूध निकालने पहुंचा। वहां उसने राजेंद्र का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा। इसके बाद उसने परिजनों और ग्रामीणों को सूचना दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर आलोट एसडीओपी पल्लवी गौर, ताल थाना प्रभारी स्वराज डाबी और खारवाकला चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए रतलाम से एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल, डॉग स्क्वॉड, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ और साइबर सेल की टीम को भी बुलाया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मृतक के सिर पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान मिले हैं। आशंका है कि हमलावरों ने पीछे से हमला किया। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खारवाकला के सरकारी अस्पताल भिजवा दिया।

व्यापार समाचार

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

- पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का

मुंबई (ए.)। बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंतत: महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया। सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया। सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया। बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी। गुरुवार को शुरुआती नरमी के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की।

SEBI ने ओपन मार्केट शेयर बायबैक को फिर दी मंजूरी, म्यूचुअल फंड नियमों में भी बड़ी राहत

नई दिल्ली(ए.)। शेयर बाजार के निवेशकों और कंपनियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है। मार्केट रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज के जरिए शेयर बायबैक को फिर से शुरू करने की अहम मंजूरी दे दी है। इस बड़े फैसले के बाद अब कंपनियां आगामी 1 अगस्त से ओपन मार्केट में अपने शेयर वापस खरीद सकेंगी। इसके लिए सेबी ने 66 वर्किंग डेज (कार्य दिवस) की समय-सीमा तय की है। सेबी के इस कदम से कंपनियां बिना किसी खास बायबैक विंडो के ही रेगुलर ट्रेडिंग सिस्टम के जरिए बायबैक कर पाएंगी, जिससे न केवल पूरी प्रक्रिया आसान होगी बल्कि पेपरवर्क का झंझट भी काफी कम हो जाएगा।

फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने के लिए लिया गया अहम फैसला

बोर्ड मीटिंग में लिए गए इस महत्वपूर्ण फैसले का मुख्य मकसद बाजार में फ्लेक्सिबिलिटी और ऑपरेशनल एफिशिएंसी को बेहतर बनाना है। इस फैसले से लिस्टेड कंपनियों के लिए कैपिटल एलोकेशन टूल के तौर पर बायबैक का विकल्प और ज्यादा आकर्षक बन सकेगा। गौरतलब है कि सेबी ने साल 2025 में ओपन-मार्केट बायबैक को धीरे-धीरे बंद कर दिया था। उस समय शेयरहोल्डर्स के साथ असमान व्यवहार और टैक्स से जुड़ी गड़बड़ियों की चिंताएं सामने आई थीं, क्योंकि इस पुरानी व्यवस्था को कुछ खास निवेशकों के पक्ष में माना जा रहा था। जब भी कोई कंपनी अपने शेयर वापस खरीदती है, तो बाजार में उसके कुल शेयरों की संख्या कम हो जाती है, जिससे प्रति शेयर कमाई (ईपीएस) में सुधार होता है और निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है।

म्यूचुअल फंड्स को मिली इंट्रा-डे उधार लेने की छूट

बायबैक के अलावा सेबी ने कई अन्य वित्तीय नियमों में भी बड़े बदलाव किए हैं। नए नियमों के तहत म्यूचुअल फंड्स को अब इंट्रा-डे उधार लेने की इजाजत मिल गई है।

व्यापार और निवेश के बदलते तरीकों से वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आई तेजी

नईदिल्ली, (ए.)। दुनिया में जैसे-जैस अमीर लोग अपने रहने, निवेश और व्यापार करने के लिए जगह को अलग-अलग तरीके से बदल रहे हैं, विदेशी बाजारों में (अंतराराष्ट्रीय मोबाइल कैपिटल) किए जाने वाले वित्तीय निवेश के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा में तेजी आई है. 2026 में, सिंगापुर, इटली, स्विट्जरलैंड, ग्रीस, हांगकांग और न्यूजीलैंड जैसे देश हाई-नेट-वर्थ वाले लोगों के लिए अपनी अपील बढ़ा रहे हैं. जबकि यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे और साउथ कोरिया जैसे देशों पर टैक्स सुधारों, नीति में अनिश्चितता और निवेशकों की बदलती सोच का दबाव बढ़ रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल वेल्थ मोबिलिटी अब सिर्फ कर अनुकूलन या लाइफस्टाइल पसंद से नहीं चलती है. इसके बजाय, अमीर परिवार लंबे समय की रणनीति अपना रहे हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

नीट पेपर लीक

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है। कॉकरोच जनता पार्टी के पहले जमीनी विरोध प्रदर्शन में सामान्यत: अपेक्षाकृत संपन्न परिवारों से आए छात्र- नौजवानों का जमावड़ा लगा। उनका, जो शिक्षा के जरिए ऊंचे करियर का सपना देख सकने की स्थिति में होते हैं। शिक्षा की ढहती व्यवस्था उनके सपनों के साकार होने में रुकावट बन गई है, तो ये युवा ये पूछने निकले हैं कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसीलिए नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो शब्द सबसे ज्यादा सुनाई दिया, वो है- जवाबदेही। छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने इनके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है, इसलिए उनकी पहली मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। वैसे, प्रदर्शन स्थल पर सवाल यह भी उठा कि यूनिवर्सिटीज की टॉप वर्ल्ड रैंकिंग में पहले 100 स्थान में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय क्यों नहीं है? ये बुनियादी प्रश्न हैं। सत्ताधारी इनकी ज्यादा देर तक अनदेखी नहीं कर सकते। भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि कॉकरोच लामबंदी में बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हुए हैं, जिनकी उम्र 15-25 वर्ष के बीच है। उन्होंने अपने होश में सिर्फ मोदी राज देखा है।इसलिए उनके बीच पिछली सरकारों की नाकामियों का शोर मचाने की रणनीति निष्प्रभावी होने लगी है। ये पीढ़ी हिंदू- मुसलमान, देशद्रोही- पाकिस्तान आदि के नैरेटिव्स को सुनते हुए बड़ी हुई है। उससे उसको तब तक शिकायत नहीं थी, जब तक उन्हें अपना करियर सुरक्षित दिखता था। आम तुजुर्बा है कि जब अपना भविष्य दांव पर लगा दिखे, तो ऐसी कहानियां बेअसर होने लगती हैं। जंतर-मंतर एक ऐसी पीढ़ी के उभर चुकने का गवाह बना। सत्ता पक्ष को इस जमीनी बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। जवाबदेही की उठी मांग पर उसे सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। युवा भावनाओं को दबाने या भटकाने की कोशिश के उलटे परिणाम हो सकते हैं। याद रखना चाहिए कि दुनिया ज़ेन-जी परिघटना से गुजर रही है। अत: भारत में इस पीढ़ी की आंकाक्षाएं संवैधानिक दायरे में पूरी हो जाएं, इसे वर्तमान सरकार को अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

स्वस्थ, जागरूक और विकसित भारत की आधारशिला है "योग"

डॉ. मोहन यादव

"समत्वं योग उच्यते" अर्थात् संतुलन ही योग है...श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण का यह संदेश जहां समूचे विश्व को संतुलित करने का सूत्र है, वहीं महर्षि पतंजलि ने पतंजलि योग सूत्र में "योगश्चित्तवृत्तिनिरोध:"के माध्यम से मानव जीवन को स्वस्थ और निरोग रहने का मार्ग प्रदान किया है।

भारत की यही सनातन योग परंपरा विश्व को शरीर, मन और आत्मा के स्तर पर संतुलित और समृद्ध बनाने का आधार है। सदियों पूर्व ऋषि-मुनियों द्वारा विकसित जीवन पद्धति आज सम्पूर्ण विश्व के लिए सुख, शांति और संतुलन का मार्ग है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि योग विश्व मानवता के कल्याण का माध्यम बन गया है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की गई। यह निर्णय भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन के प्रति विश्व समुदाय के सम्मान का प्रतीक है। दुनियाभर के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक नेतृत्व का प्रमाण है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिये योग रखी गई है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर मध्यप्रदेश की पावन धरती पर आयोजित समारोह में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उनका आगमन मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह सुखद संयोग है कि योग के वैश्विक आंदोलन में मध्यप्रदेश को विशेष भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश सरकार ने योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए हैं। स्वस्थ नागरिक विकसित और समृद्ध राष्ट्र का आधार है। प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ और सुखी जीवन के लिए घर-घर योग - हर व्यक्ति निरोग अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश में 800 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों तथा विभिन्न चिकित्सालयों में नियमित योग गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रशिक्षित योग शिक्षकों द्वारा छोटे-छोटे समूहों में भी नागरिकों को योगाभ्यास करवाया जा रहा है। योग-सखी और योग-दूत गांव-गांव और शहर-मोहल्लों तक योग का संदेश पहुंचा रहे हैं।प्रदेश में 12 मई से आरंभ हुआ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन हर घर योग अभियान से जनभागीदारी का नया अध्याय लिख रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन योग सत्रों का लाभ प्रदेश के लोगों को प्राप्त हो रहा है। हम सभी के लिए गौरव की बात है कि विगत दिनों इंदौर स्थित मालवांचल यूनिवर्सिटी में

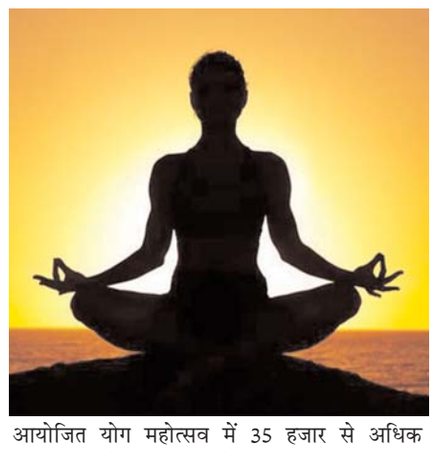

आयोजित योग महोत्सव में 35 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक योग कर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। योग वन अर्थ-वन हेल्थ विचार को व्यवहार में उतारने का माध्यम है जो हमें स्वयं, समाज और प्रकृति से जोड़ता है। यह शरीर को स्वस्थ रखने के साथ जीवन को संतुलित, सार्थक और उत्कृष्ट बनाता है। मध्यप्रदेश सरकार ने योग को पर्यावरण-संरक्षण और जनकल्याण से भी जोड़ा है। विश्व पर्यावरण दिवस से लेकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस तक विशेष जन-अभियान संचालित किया जा रहा है। एक पेड़ मां के नाम अभियान से पर्यावरण-संरक्षण और योग से स्वास्थ्य संरक्षण पर कार्य किया जा रहा है। प्रकृति और मानव स्वास्थ्य का गहरा संबंध है। योग हमें प्रकृति संग सह-अस्तित्व का जीवन जीने की प्रेरणा देता है। यही भारतीय जीवन-दर्शन का मूल तत्व भी है। मध्यप्रदेश सरकार आयुष चिकित्सा, योग वेलनेस सेंटर, आरोग्य मंदिरों तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से योग को जनांदोलन बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक योग से लाभ प्राप्त करे और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाए।

मुझे यह बताते हुए हर्ष है कि मध्यप्रदेश में जनवरी 2027 में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य और एक चेतना: समग्र कल्याण के लिए योग विषय पर वैश्विक सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इसमें मध्यप्रदेश, भारत की सभ्यतागत चेतना का वैश्विक प्रतिनिधित्व करेगा।आज जब दुनिया तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित रोगों और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय में योग मानवता के लिए बड़ा संबल है। ऐसे यह स्वस्थ शरीर, शांत मन और सुखी जीवन का आधार है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण का संकल्प है। यह भारत की उस प्राचीन चेतना का उत्सव है, जिसने सदियों से मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। हमें गर्व है कि आज पूरी दुनिया योग को अपनाकर भारत के इस अमूल्य ज्ञान का लाभ प्राप्त कर रही है।

मैं, प्रदेश के सभी नागरिकों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजन, विद्यार्थियों, शासकीय सेवकों और सामाजिक संगठनों से आग्रह करता हूं कि वे योग गतिविधियों से जुड़ें और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

आइए, हम सभी मिलकर योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं। अपने परिवार और समाज को इससे जोड़ें तथा स्वस्थ मध्यप्रदेश, विकसित भारत और समृद्ध विश्व के निर्माण में सहभागी बनें।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की प्रदेशवासियों को हार्दिक मंगलकामनाएं...

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

चढ़ावा चोरी: आस्था को बचाने 'डिजीटल अर्पणम्' अपनाएं !

अजय बोकिल

करोड़ों हिंदुओं की आस्था के केन्द्र अयोध्या के श्रीराम मंदिर में सवा साल से ज्यादा समय से चढ़ावा चोरी का जो बेखौफ खेल चल रहा था, उससे लगता है कि रामभक्तों से ज्यादा चढ़ावा चोरों को भगवान राम पर भरोसा था कि आस्था की जेब से निकले चढ़ावे की जी चाहे जितनी रकम डकारते जाओ, कहीं कुछ नहीं बिगड़ेगा। क्योंकि मंदिर भी राम का, भक्त भी राम के, चढ़ावा भी राम का, चढ़ावा चोर राम के और चोर पकड़ने वाले कोतवाल भी रामके। अब सवाल तो यह है कि राम भक्त आखिर करें क्या? क्या चढ़ावा चढ़ाना बंद कर दें, हाथ जोड़कर दर्शन की इतिश्री कर लें या फिर चढ़ावे को बचाने के कुछ सुरक्षित तरीके अपनाएं? जिस तरह इस भव्य मंदिर में भी चोरों का नेटवर्क सामने आया है, उसका सबक तो यही है कि मंदिर में अब श्रद्धालुओं को नकदी के बजाए जगह डिजीटल अर्पणम् (चढ़ावे) को ही तवज्जो देनी चाहिए। दानपेटियों को अब कूड़ेदान में डाल दिया जाना चाहिए ताकि आस्था और विश्वास की पवित्रता कायम रखी जा सके। यूं भी आजकल लोग चाय-पान तक का पेमेंट भी यूपीआई से करते हैं तो भगवान की सेवा में आस्था के पत्रम् पुष्पम् के लिए यह तरीका ज्यादा सुरक्षित होगा। वैसे भगवान तो खुद दाता है, भक्त उसे भला क्या देगा। चढ़ावे के रूप में जो कुछ दान पुण्य किया जाता है, वह वास्तव में मंदिर के भौतिक रखरखाव और धर्म के प्रबंधन के लिए होता है। 21 वीं सदी में भगवान से भी यही अपेक्षा है कि वो भक्त की दानशीलता का अकाउंट ऑन लाइन ही मेंटेन करें। डिजीटल दान का बड़ा लाभ यह है कि आपकी अटूट श्रद्धा पंडे पुजारी, नोट गणक अथवा प्रबंधकों की बुरी नजर से बची रहेगी। जो अभी भी डिजीटल फ्रेंडली नहीं हैं, वो दान काउंटर पर ही चढ़ावा देकर रसीद लें ताकि ट्रस्ट और बैंक की जानकारी में भी। भगवान के हिसाब में रहे ताकि आखिर में पाप-पुण्य के ऑडिट के समय आपको वांछित 'वेटेज' मिल सके। हालांकि मानवीय नीयत के आगे यह तरीका भी सौ फीसदी सुरक्षित नहीं है। लेकिन उस दानपेटी में भोले मन से डाली गई नकदी से तो बेहतर ही है, जो गिनती के दायरे में आने से पहले ही अंटी कर ली जाती है। इस पूरे चढ़ावा कांड में आरंभिक जानकारी में पताचला है कि श्री राम मंदिर में रोजाना 5 करोड़ रू. का नकदी और सोने चांदी का चढ़ावा आ रहा था और इसमें से प्रतिदिन औसतन 10 लाख रू. पर चढ़ावा चोरी गैंग हाथ साफ कर रही थी। अब खबर है कि चढ़ावा चोरी कांड उजागर होने के बाद अब नकदी चढ़ावे की राशि घटकर डेढ़ करोड़ रू. प्रतिदिन पर आ गई है। हैरानी की बात यह है कि स्वयं भगवान के दरबार में हो रही खुले आम चोरी को लेकर किसी के माथे पर कोई शिकन या आत्मग्लानि का भाव नहीं था, जिसमें श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट हो या मंदिर

प्रबंधन अथवा सुरक्षा कर्मी। आरंभिक जांच में पुलिस ने 2.8 करोड़ की रकम जब्त भी की है। यह भी विडंबना है कि राम भक्त जिस चढ़ावे को आध्यात्मिक मोक्ष की आकांक्षा से मंदिर में चढ़ाते रहे हैं, वही पैसा चढ़ावा चोरों की भौतिक समृद्धि और अय्याशी का कारण बन रहा है। श्री राम मंदिर निर्माण में गड़बड़ियों की शिकायतें तो 37 साल पहले राम शिला पूजन अभियान से आने लगी थीं कि सोने की कई शिलाएं गायब हैं। इसमें कुछ व्यापारियों द्वारा दी गई हीरेजड़ित शिलाएं भी शामिल है। लेकिन तब इसे अफवाह या विघ्न संतोषियों की चाल मानकर दबा दिया गया था। फिर श्रीराम मंदिर जमीन अधिग्रहण मामले में भी भारी हेराफेरी की शिकायतें आईं। लेकिन उसे भी अनसुना कर दिया गया। यूं अब भारी हल्ला मचने के बाद यूपी सरकार ने तीन अफसरों की एसआईटी बनाकर जांच शुरू कर दी है। लेकिन इस मामले में अभी तक कोई प्राथमिकी किसी के खिलाफ दर्ज नहीं है। की जाएगी, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। यहां तक कि तीन रामभक्तों ने पुलिस में लिखित शिकायत भी दी है, लेकिन उस पर भी पुलिस ने अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। लिया जाएगा भी नहीं, कहा जा नहीं जा सकता। अलबत्ता एसआईटी की जांच के दौरान चढ़ावा चोरी के व्यापक नेटवर्क और ऊपरी वरदहस्त की जानकारियां जरूर सामने आ रही हैं। सवाल उठता है कि क्या सारी व्यवस्था ही अंधी है? शक की सुई श्रीराम मंदिर तीर्थ ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इर्द गिर्द घूम रही है। हालांकि उन्हें बचाने वालों में से एक वरिष्ठ पदाधिकारी नृपेन्द्र मिश्रा का कहना है कि चंपत राय बेदाग हैं। लेकिन एक अदने से रामभक्त के मन में उठने वाले इन सवालों कि अगर चंपत या बेदाग हैं तो मंदिर में चढ़ावा चोरी का खेल इतने दिनों से कैसे चल रहा था, किसके संरक्षण में चल रहा था? चंपत राय को इसकी खबर कैसे नहीं लगी? लगी तो उन्होंने तत्काल इसे रोकने की कार्रवाई क्यों नहीं की? कहते हैं कि चंपत राय के बिना श्रीराम मंदिर में पत्ता नहीं हिलता तो फिर उन्हें इतने बड़े घपले की हवा कैसे नहीं लगी? अगर उन्हें यह 'खुला रहस्य' भी पता नहीं था तो वो महासचिव के पद पर बैठ कर क्या रहे थे? अगर वो गाफिल थे तो यह भी कर्तव्य के प्रति गंभीर लापरवाही और नैतिक अपराध है। हो सकता है कि सपा नेता अखिलेश यादव इस मुद्दे को न उठाते तो इस चढ़ावा चोरी पर पर्दा डला रहता और राम भक्त यूं ही ठगे जाते रहते। पहले भाजपा नेताओंऔर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टियों इसे खारिज किया। लेकिन जब संतों, कुछ पुराने विहिप नेताओं और भाजपा सांसदों ने ही चढ़ावा चोरी में घपले की बात उठानी शुरू की तो सरकार चेती। चढ़ावे की रकम स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के स्टाफ के सहयोग से की जाती है। लेकिन एसबीआई भी इस मामले में मौन धारण किए रहा। अभी तक कुल कितनी राशि गबन की गई और किस किस की जेब में गई, यह तो निष्पक्ष जांच के बाद ही पता चलेगा। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी का मुद्दा राजनीतिक रंग लेगा या नहीं, कहना मुश्किल है, लेकिन इससे भाजपा के प्रति लोगों के विश्वास में कमी जरूर आएगी। साथ ही मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधन और इस मामले में आरएसएस की खामोशी पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि चंपत राय वहीं से आते हैं। संभव है कि संघ ने अंदरूनी तौर पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की हरी झंडी दे दी हो, लेकिन जो अभी तक सामने आया है, वह बहुत क्षोभजनक और लज्जास्पद है। इसका अंदाजा भाजपा के बाहुबली सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के उस बयान से लगाया जा सकता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चढ़ावे में गबन करने वाले 'बहुत बड़े' लोग हैं। समय आने पर मैं उनके नाम उजागर करूंगा। इसका अर्थ यही है कि इस खेल में वो लोग भी शामिल हैं, जिनका नाम लेने में ब्रजभूषण शरण सिंह जैसे विवादित सांसद को भी 'डर' लगता है। दरअसल इससे राम मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों के नैतिक चरित्र की कलई खुल गई है। श्रीराम के जिस मंदिर में भगवान राम के नैतिक आदर्श के अनुरूप ही सारा काम होना चाहिए था, उसी मे सबसे पहले पलीता लगाया गया है। आदि ऋषि वाल्मीकि के 'रामायण' और गोस्वामी तुलसीदास के 'रामचरितमानस' में रामराज्य की व्याख्या ऐसे कल्याणकारी सुशासन के रूप में की गई है, जिसमें राज्य में लोगों में अपराध और लोभ का अभाव था। राज्य में कोई भी चोर या डकैत नहीं था। प्रजा अपने निर्धारित कर्तव्यों का पालन करती थी और किसी में लोभ या लालच नहीं था। कोई व्यक्ति सपने में भी पाप या अधर्म का आचरण नहीं करता। रामराज का मूलाधार लोगों की नैतिक उत्कृष्टता थी। राममंदिर के चढ़ावा घपले में इसी नैतिकता का निर्लज्ज कत्ल हुआ है। आलम यह है कि अयोध्या में रामलला के दर्शन करने वाला हर आस्थावान हिंदू चढ़ावा चढ़ाने के पहले दो बार सोचेगा कि यह किन हाथों में जाएगा। अब देखना यह है कि एसआईटी रिपोर्ट आने के बाद क्या और कैसी कार्रवाई होती है। दोषियों को कठोरतम दंड देकर रामभक्तों की भावनाओं के साथ न्याय किया जाएगा या फिर दो चार छुटभैयों को फंसाकर मामला रफा दफा कर दिया जाएगा? यानी 'हुई है वही जो राम रचि राखा !

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष कविता

चमत्कारिक योग

भारतीय वैदिक योग
जनमानस होता निरोग,
विश्व गुरु बनने की
प्रथम क्रिया तथा
प्रतिक्रिया में
पहला कदम है
वैश्विक योग दिवस,
भारत की पहल पर
विश्व में मनाया जाएगा
वैश्विक योग दिवस।
पहले निरोगी काया
फिर उस पर योग का साया,
पड़ जाए फिर स्वस्थ
जीवन की छाया।
योग ने किया सबको निरोगी
वैश्विक मुद्रा के लिए
भी उपयोगी।
स्वस्थ रहेगा तन और मन
योग शिक्षा से ही
कमा पाएंगे हम
पोंड,डॉलर और धन,
विश्व के गुरु तो बनेंगे ही
देंगे दुनिया को दिशा दर्शन,
आओ अपनाएं योग को
दूर भगाएं सारे रोग को,
योग विद्या है भारत की संपत्ति,
अपनाने में किसी को
नहीं है आपत्ति,

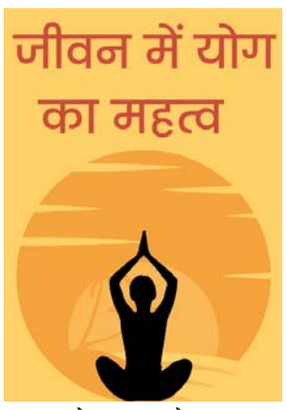

आओ हम सब लोग
योग सीखे और सिखाएं
इस तरह इस विद्या से
निरोगी स्वास्थ धन पाए।
जितना भारत है महान
इतनी योग विद्या भी है महान।
आओ मिलकर करे
इसका
विश्व स्तर पर गुणगान,
छा जाएगा जब
हर तरफ योग
किसी को नहीं होगा तब
किसी तरह का कोई रोग।
रखे स्वस्थ तन मन धन को
यह चमत्कारिक वैदिक योग।

संजीव ठाकुर
,रायपुर छत्तीसगढ़

मेष राशि-आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले बेहतर होने वाली है। आमदनी के अच्छे योग बनेंगे। आप सुखद पलों का अनुभव करेंगे। नौकरी में बदलाव के साथ अच्छी ग्रोथ मिलने की संभावना है। आप किसी मांगलिक समारोह में शामिल होंगे।

वृष राशि-आपके लिए खुशियों से भरा दिन रहेगा। आज आपको आपकी मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में आप ऐसे व्यक्तियों से जुड़ेंगे, जिनसे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। जिससे आप आगे तरक्की कर पाएंगे। आपको नौकरी में बड़ा पद प्राप्त हो सकता है। इस समय आपको अपने खर्चों पर काबू रखना चाहिए। इस राशि के जो लोग एजुकेशन सेक्टर से जुड़े हैं उनके लिए ज्यादा लाभ के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि-आपके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आपको कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से आज प्रशंसा मिलेगी। प्रमोशन के प्रबल योग हैं। आपके वैवाहिक रिश्ते में सुधार आएगा। परिवार के साथ किसी उत्सव में जाएंगे।

कर्क राशि- आपके लिए आज का दिन सुखद रहेगा। आपको आपकी समस्याओं का समाधान मिलेगा। आपके दांपत्य जीवन में खुशियां रहेंगी। आपके करियर को अच्छी ग्रोथ मिलने के योग हैं। नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। कहीं जॉब के लिए अप्लाई किया है, तो आज आपको अच्छी खबर मिलेगी। आपकी संतान को किसी बड़ी प्रतियोगिता में सफलता मिल सकती है।

सिंह राशि- आपके लिए आज का दिन लाभदायक रहेगा। बिजनेस के क्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे। कुछ मामलों में सावधानी बरतने की भी जरूरत है। आज आप नया प्रोजेक्ट शुरू करेंगे। आज आमदनी बढ़ने के योग बने हुये है। लाभ मिलने से आपका उत्साह दोगुना होगा।

कन्या राशि- आपके लिए आज का दिन मिला जुला रहेगा। आप दोस्तों के साथ कहीं यात्रा पर जाएंगे जिससे आपको बहुत खुशी मिलेगी। गवर्नमेंट सेक्टर से आपको कुछ अच्छे लाभ मिल सकते हैं। आज आपके मन में कुछ नए विचार या कंसेप्ट आएंगे।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। अगर आप नया बिजनेस करना चाहते हैं तो आपको आगे बढ़ने का पूरा मौका मिलेगा। दोस्तों का पूरा सपोर्ट रहेगा। वह आपके साथ हर मौके पर खड़े नजर आएंगे। आप किसी नई फिल्ड में भी हाथ आजमाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक राशि- आपके लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। आपको परिवार के बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। आपके कई रुके हुए काम बनेंगे जिसकी वजह से आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ समाज में अच्छा मान सम्मान मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ किसी लंबी यात्रा पर जाएंगे। आपका मन इस दौरान धार्मिक गतिविधियों में भी लगेगा इससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

धनु राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको आपके कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलता मिलेगी। आपका कांफिडेंस बढ़ेगा। लेकिन आप अपने व्यवहार को नम्र बनाएं। अपनी पूरी एनर्जी के साथ अपने काम को अच्छी तरह करें। आप अन्य नये क्षेत्रों से भी धन कमाने की कोशिश करेंगे।

मकर राशि- आज आपके लिए दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में अपनी जगह बनाने के लिए एफर्ट लगाने होंगे। आप बढ़िया गैजेट या मोबाइल खरीदने का मन बनाएंगे। परिवार में किसी धार्मिक कार्य के होने की संभावना बन रही है।

कुंभ राशि- आज आपका दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आपको व्यवसाय में मनचाही सफलता मिलेगी। कुछ अनुभवी लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। आपकी आमदनी में अच्छे लाभ की संभावना बन रही है।

मीन राशि- आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। अपने कार्य क्षेत्र में आप अच्छा परफॉर्म करेंगे। अच्छी सफलता मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति में अच्छे ग्रोथ की संभावना है। ऑफिशियल कारणों से कहीं दूसरी जगह जाने के योग बन रहे हैं। परिवार में खुशहाली रहेगी।

ऐतिहासिक कार्यकाल, परिवर्तनकारी नेतृत्व

सीपी राधाकृष्णन

भारत ने 10 जून, 2026 को अपने लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज किया। इस रोज श्रीमान नरेंद्र मोदीजी ने प्रधानमंत्री के रूप में निर्बाध सेवा के 4,399 दिन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सिर्फ राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को ही नहीं दिखाती। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के लोगों के अडिग विश्वास और आस्था को भी प्रतिबिंबित करती है। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास के लिए अथक प्रतिबद्धता तथा भारत की अवाम के कल्याण और आकांक्षाओं प्रति अटूट निष्ठा को प्रतिबिंबित करती है।

परिवर्तनकारी नेतृत्व: 4,366 दिन और आगे

श्रीमान नरेंद्र मोदीजी ने राष्ट्र के प्रधान सेवक के रूप में भारत में सुशासन और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर आधारित अभूतपूर्व परिवर्तन के युग की शुरुआत की है। इतिहास अब्राहम लिंकन को मानव दासता का अभिशाप खत्म कर लाखों लोगों की गरिमा बहाल करने में उनके अडिग नेतृत्व के लिए उनका आदर करता है। इसी तरह, आने वाली पीढ़ियां 25 करोड़ से ज्यादा गरीबों को पूर्ण निर्धनता से बाहर निकालने के लिए श्रीमान नरेंद्र मोदीजी को याद करेंगी। उनकी दृष्टि, अथक प्रयासों और परिवर्तनकारी शासन ने अनगिनत परिवारों को अवसर, गरिमा और उम्मीद देकर सशक्त बनाया है तथा वे आर्थिक स्वतंत्रता और बेहतर भविष्य के आश्वासन को अपनाने में समर्थ बने हैं। उनका योगदान मानवता की सेवा में एक युगांतरकारी उपलब्धि के रूप में इतिहास में दर्ज रहेगा।

इतना ही नहीं, उनकी परिवर्तनकारी पहलकदमियों ने शिक्षा, आवासन, स्वच्छता, स्वास्थ्यसेवा और खाद्य निश्चितता के माध्यम से करोड़ों लोगों की गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। नि:शुल्क खाद्यान्न के 2020 से जारी प्रावधान से लगभग 80 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा की रक्षा होने के अलावा यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी कमजोर नागरिक पीछे नहीं छूटने पाए। इसके अतिरिक्त, 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों का सुरक्षित और स्थाई घर का मालिक बनने का सपना पूरा हुआ जिससे उनमें सुरक्षा, गरिमा और भविष्य के लिए उम्मीद की भावना मजबूत हुई है। कुल मिला कर, ये पहलकदमियां एक सहृदय शासन और प्रत्येक भारतीय के कल्याण के लिए अटूट प्रतिबद्धता के स्थाई प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया है—चाहे वे महिलाएं हों, युवा हों, किसान हों या वंचित वर्ग के लोग। 3 करोड़ से ज़्यादा लखपति दीदियों का सामने आना महिला नेतृत्व में विकास के उनके दृष्टिकोण का एक सशक्त प्रमाण है, जबकि नारी शक्ति के तहत शुरू की गई पहलों ने महिलाओं को देश के निर्माण में और भी अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है। नए आईआईटी, एम्स, मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना से भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा तेज़ी से बढ़ा है, जिससे देश के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा हुए हैं।

साथ ही, भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व क्रांति देखी है। वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों के तेज़ी से विस्तार से लेकर दूर-दराज़ के इलाकों तक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने वाली परियोजनाओं तक, उनके नेतृत्व में एक आधुनिक, आपस में जुड़े हुए और महत्वाकांक्षी भारत की नींव रखी है। इन उपलब्धियों ने न केवल आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि देश भर के लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है।

भारत डिजिटल नवाचार, सेमी-कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, वैक्सीन बनाने और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है, जिससे उभरती हुई नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विश्व में हमारे देश की स्थिति और मजबूत हुई है।

विकास भी, विरासत भी: तमिल विरासत का सम्मान, तमिलनाडु का विकास

समकालीन नेताओं में प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी को जो बात सबसे अलग और अनूठी बनाती है, वह है उनका यह दृढ़ विश्वास कि विकास और परंपरा कोई परस्पर विरोधी विचार नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। विकास भी, विरासत भी की अपनी दूरदर्शी सोच के ज़रिए उन्होंने यह दिखाया है कि कोई देश अपनी सभ्यतागत विरासत से जुड़े रहते हुए भी तेज़ी से आधुनिकीकरण की राह पर आगे बढ़ सकता है। उनके नेतृत्व में, भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी, मैन्युफैक्चरिंग और समाज कल्याण के क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास किया है और इसके साथ ही अपनी प्राचीन संस्कृति, भाषाओं, आध्यात्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के प्रति एक नए गौरव का अनुभव किया है। चाहे पवित्र स्थलों का जीर्णोद्धार हो, सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनरुत्थान हो, शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना या अमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण हो- उनके शासन में आधुनिक आकांक्षाओं और शाश्वत मूल्यों का दुर्लभ समन्वय देखने को मिलता है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

रविवार 21 जून 2026,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 5

पश्चिम बंगाल दिवस पर पीएम मोदी ने राज्य की ऐतिहासिक भूमिका को किया याद

कोलकाता(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता को बधाई संदेश देते हुए राष्ट्र निर्माण में बंगाल के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अवदानों की सराहना की। उन्होंने रेखांकित किया कि साहित्य, संगीत, अध्यात्म, विज्ञान और समाज सुधार जैसे क्षेत्रों में बंगाल की मेधा ने हमेशा देश की चेतना का मार्गदर्शन किया है। प्रधानमंत्री के अनुसार, यह दिवस सिर्फ अतीत के वैभव को याद करने का माध्यम नहीं है, बल्कि उन शाश्वत मूल्यों को नमन करने का दिन है जिन्होंने भारतीय पहचान को सुदृढ़ किया।

प्रधानमंत्री ने 20 जून की ऐतिहासिक प्रासंगिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी दिन बंगाल का भारत के अटूट हिस्से के रूप में बने रहना सुनिश्चित हुआ था। इस निर्णायक मोड़ पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अविस्मरणीय और अमूल्य प्रयासों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में देश उनकी 125वीं जयंती मना रहा है, जो उनके राष्ट्र-प्रथम के संकल्पों को समर्पित है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए विकास की गति को और बढ़ाएंगी।

पॉक्सो केस में बड़ा अपडेट, केंद्रीय मंत्री के बेटे को मिली 7 दिन की अंतरिम जमानत

हैदराबाद (आरएनएस)। तेलंगाना के हैदराबाद में मलकाजगिरि स्थित यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून से जुड़े एक विशेष न्यायालय ने केंद्रीय मंत्री बंदी संजय के पुत्र बंदी साई भागीरथ को सात दिनों की अवधि के लिए अंतरिम जमानत प्रदान कर दी है। आरोपी के विरुद्ध बशीर बाग पुलिस थाने में गंभीर धाराओं के तहत पॉक्सो अधिनियम का आपराधिक मामला पंजीकृत है। आधिकारिक सूत्रों से छनकर आई जानकारी के मुताबिक, इस हाई-प्रोफाइल मामले में विधिक प्रक्रिया के तहत आगामी कदम उठाए जा रहे हैं।

न्यायिक सूत्रों के अनुसार, विशेष अदालत ने आरोपी भागीरथ की अंतिम परीक्षाओं की अनिवार्यता को ध्यान में रखते हुए यह अस्थायी राहत दी है, ताकि वह बिना किसी बाधा के अपनी परीक्षा में उपस्थित होकर पर्चे दे सके। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यह अंतरिम जमानत केवल सात दिनों की समयावधि के लिए ही मान्य होगी और आरोपी को न्यायालय द्वारा अधिरोपित की गई सभी सख्त शर्तों व विधिक नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। इससे पूर्व, कथित यौन उत्पीड़न के इस संगीन मामले में घिरे बंदी साई भागीरथ को कोर्ट के आदेश पर 29 मई तक के लिए न्यायिक अभिरक्षा (जेल) में भेज दिया गया था, जिसके प्रत्युत्तर में बचाव पक्ष के विधि विशेषज्ञों ने पुलिस की रिमांड अर्जी का पुरजोर विरोध करते हुए उसे खारिज करने के लिए एक विस्तृत प्रतिवाद पत्र दाखिल किया था।

केरल हाईकोर्ट ने दिया मोनालिसा को सुरक्षा मुहैया कराने का निर्देश, कुंभ मेले में हुई थी वायरल

कोच्चि,(आरएनएस) । केरल हाईकोर्ट ने कुंभ मेले के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुई युवती मोनालिसा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को निर्देश दिए हैं। मोनालिसा की याचिका पर अदालत ने सुनवाई करते हुए सेंट्रल पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर को जरूरी सुरक्षा देने का निर्देश दिया। मोनालिसा ने अदालत को बताया कि उसके गृह राज्य मध्य प्रदेश में उसकी जान को खतरा है और यदि वह वहां लौटती है तो सम्मान के नाम उसकी हत्या की जा सकती है। उसने यह भी कहा कि वह बालिग है और अपने भविष्य से जुड़े फैसले लेने का उसे पूरा अधिकार है। हालांकिमध्य प्रदेश सरकार ने उसके इस दावे का विरोध करते हुए कहा कि युवती अभी नाबालिग है। कुंभ मेले के दौरान वायरल हुई मोनालिसा ने 11 मार्च को तिरुवनंतपुरम के अरुमानुर में श्री नैनार देवी मंदिर में शादी कर ली थी। हालांकि इसके बाद शादी के समय उसकी उम्र को लेकर विवाद छिड़ गया। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की जांच में पाया गया कि शादी के समय लड़की की उम्र सिर्फ 16 साल थी। आयोग ने महेश्वर सरकारी अस्पताल द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र का हवाला दिया, जिसमें उसकी जन्म तिथि 30 दिसंबर, 2009 को शाम 5:50 बजे दर्ज है।हालांकि, तिरुवनंतपुरम पुलिस के सामने लड़की द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों में उसकी जन्म तिथि 1 जनवरी, 2008 दिखाई गई, जिससे पता चलता है कि वह बालिग थी। आयोग ने आरोप लगाया है कि लड़की द्वारा जमा किया गया जन्म प्रमाण पत्र जाली था।कुंभ मेले के दौरान लड़की के सोशल मीडिया पर चर्चा में आने के बाद यह मामला सुर्खियों में आया था। उसकी उम्र और शादी की वैधता को लेकर विवाद बाद में केरल और मध्य प्रदेश के अधिकारियों के बीच कानूनी लड़ाई में बदला।

मानसून 23 जून को तेलंगाना से आगे बढ़ेगा, अनुकूल परिस्थितियां बनीं; जानें कब-कहां पहुंचेगा

नईदिल्ली,(आरएनएस)। मानसून के अटकने से देशभर के लोगों खासतौर पर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। हालांकि, अब मानसून के आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम पूर्वानुमानों से संकेत मिल रहा है कि मध्य भारत में बारिश लाने वाले बादल धीरे-धीरे फिर से मजबूत हो रहे हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, 23 जून तक मानसून के तेलंगाना से आगे बढ़कर छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है।

आईएमडी के मुताबिक, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है। 19 जून से 25 जून के बीच छत्तीसगढ़, पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश और विदर्भ में छिटपुट से लेकर तेज बारिश होने की संभावना है। बता दें कि मानसून केरलम पहुंचने के बाद 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है।

आईएमडी के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21 से 23 जून के बीच बिजली गिरने और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। पूर्वी मध्य प्रदेश में 20 से 23 जून और विदर्भ में 19 से 23 जून तक ऐसी ही स्थिति रहने का अनुमान है। छत्तीसगढ़ में 19 से 23 जून के बीच गरज और बिजली गिरने की आशंका है, जिसमें 22 और 23 जून को अधिक तीव्रता की संभावना है।21 जून को बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना। बिहार में कुछ जगहों पर तेज हवाएं चल सकती हैं। असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। 22 जून को झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। मानसून आने में देरी होने के पीछ अल-नीनो समेत कई कारण जिम्मेदार माने जा रहे हैं। अल-नीनो प्रशांत महासागर में पानी के गर्म होने की मौसमी घटना है, जिससे मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाती हैं। इसके अलावा मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन का कमजोर होना भी वजह है,

जो बादलों को दक्षिण भारत से उत्तर भारत की ओर लाने में अहम भूमिका निभाता है। इसके चलते 1-18 जून के बीच देश में सामान्य से 38 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है।

'ऐसे सिस्टम को परीक्षा आयोजित करने का अधिकार नहीं', नीट एडमिट कार्ड विवाद पर राहुल गांधी की प्रतिक्रिया

नई दिल्ली , (आरएनएस)। नागपुर से नीट यूजी री-एग्जाम को लेकर एक गंभीर प्रशासनिक चूक का मामला सामने आया है, जिसने परीक्षा व्यवस्था और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। 21 जून को देशभर में एक शिफ्ट में आयोजित होने वाली नीट यूजी री-एग्जाम के लिए जारी एडमिट कार्ड में नागपुर के एक छात्र का परीक्षा केंद्र अबू धाबी (संयुक्त अरब अमीरात) दर्शाए जाने की बात सामने आई है। छात्र का नाम अब्दुल्ला मोहम्मद तालिब बताया जा रहा है। छात्र ने जब अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड किया तो उसमें भारत के बजाय विदेश स्थित परीक्षा केंद्र का उल्लेख देखकर वह और उसका परिवार हैरान रह गया। परिजनों के अनुसार, उनके पास न तो पासपोर्ट है और न ही विदेश जाकर परीक्षा देने की कोई व्यवस्था या संसाधन हैं। इस कारण परिवार में चिंता और तनाव का माहौल बन गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस घटना का जिक्र करते हुए परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक छात्र, जो पिछले एक महीने से परीक्षा की तैयारी कर रहा था, उसे अंतिम समय में पता चला कि उसका परीक्षा केंद्र विदेश में है। इससे वह गहरे मानसिक दबाव में आ गया।राहुल गांधी ने लिखा, न पासपोर्ट, न परिवार के पास विदेश भेजने के पैसे और न ही अब कोई समय बचा है।

जन कल्याण शिविरों को दिल्लीवासियों का अभूतपूर्व समर्थन, दूसरे दिन सहभागिता का आंकड़ा 28,000 के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित तीन दिवसीय (18 से 20 जून) जन कल्याण शिविरों के दूसरे दिन दिल्लीवासियों का उत्साह और अधिक बढ़ गया है। शिविर के दूसरे दिन विभिन्न केंद्रों पर रिकॉर्ड 28,107 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और विभिन्न सरकारी योजनाओं व सेवाओं का सीधा लाभ उठाया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं और अपनी समस्याओं के समाधान से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक प्रक्रियाओं में भाग लिया। शिविर के पहले दिन आधिकारिक जानकारी के अनुसार 15,866 लोग पहुंचे थे। दो दिनों को मिलाकर अब तक कुल 43,973 नागरिकों ने इन शिविरों के माध्यम से सरकारी सेवाओं और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन किए

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने इस भारी जनभागीदारी पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जन कल्याण शिविरों को मिल रहा यह व्यापक समर्थन इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली सरकार जनसेवा को जनता के द्वार तक पहुंचाने में पूरी तरह सफल रही है। जब लोगों को उनके घर के पास ही सभी विभागों के अधिकारी एक छत के नीचे मिल जाते हैं तो उनका समय और भागदौड़ दोनों बचती है। दूसरे दिन त्रिलोकपुरी केंद्र भी पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी शीर्ष पर रहा, जहां सबसे अधिक 1,349 नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद गोकलपुर केंद्र पर 1,335 लोग पहुंचे। सावित्री नगर केंद्र पर भी जनभागीदारी का ग्राफ तेजी से बढ़ा और 1,253 नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे। ईस्ट लोनी रोड केंद्र पर भी 1,246 नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज की गई। इसके अलावा नजफगढ़ स्टेडियम 1,121, विकासपुरी 1,051 और राजौरी गार्डन 1,130 केंद्रों पर भी नागरिकों की संख्या एक हजार के पार पहुंच गई।

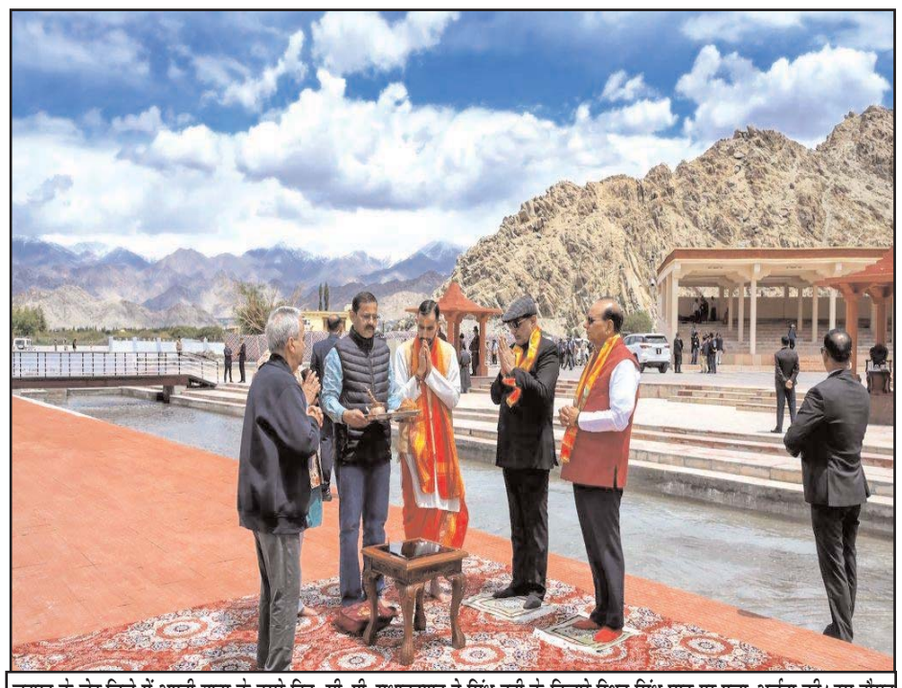

लद्दाख के लेह ज़िले में अपनी यात्रा के दूसरे दिन, सी. पी. राधाकृष्णन ने सिंधु नदी के किनारे स्थित सिंधु घाट पर पूजा-अर्चना की। इस दौरान लद्दाख के उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना भी मौजूद थे।

इतिहास में पहली बार एफएटीएफ का उपाध्यक्ष बना भारत, विवेक अग्रवाल को मिली जिम्मेदारी

नईदिल्ली(आरएनएस)। कूटनीति और वित्तीय नजरिए से भारत को एक अहम उपलब्धि हासिल हुई है। इतिहास में पहली बार भारत को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया है। इसके साथ ही पेरिस स्थित संगठन के मुख्यालय में केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल को एफएटीएफ का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। एफएटीएफ एक वैश्विक संस्था है, जो मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण से निपटने के लिए मानक निर्धारित करती है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, एफएटीएफ में भारत के लिए बड़ी जीत! चूंकि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस की नीति का समर्थन करता रहा है, इसलिए यह नेतृत्वकारी भूमिका वैश्विक आतंकवादी फंडिंग नेटवर्क से निपटने और गैर-कानूनी वित्तीय प्रणालियों को खत्म करने पर हमारे लगातार फोकस को और मजबूत करती है। एफएटीएफ में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के पूर्व प्रमुख के तौर पर अग्रवाल की गहरी विशेषज्ञता, वित्तीय अखंडता सुनिश्चित करने के एफएटीएफ के लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी।

एफएटीएफ ने एक बयान में कहा, सदस्यों ने ब्रिटेन की आगामी अध्यक्षता में एफएटीएफ की प्राथमिकताओं को मंजूरी दी और भारत के विवेक अग्रवाल को आगामी उपाध्यक्ष (जुलाई 2026-जून 2027) के रूप में नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, श्री अग्रवाल का चुनाव इस बात का संकेत है कि वैश्विक वित्तीय सुरक्षा और अवैध धन के खिलाफ कार्रवाई में भारत की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है।

शशि थरूर ने फिर बढ़ाई कांग्रेस की मुश्किलें, भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर मोदी के संदेश का किया समर्थन

नईदिल्ली, (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर अपने बयान से भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका दे दिया है। थरूर ने ईरान युद्ध में भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी-7 सम्मेलन के संदेश का समर्थन किया है। थरूर का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान चुप रहने का आरोप लगा रही है।

थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नाविकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत की चिंताओं से अवगत कराया और इस बात पर जोर दिया कि युद्धकाल में नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के साथ सार्वजनिक और निजी दोनों बैठकों में अपना रुख स्पष्ट कर दिया। यह संदेश देना महत्वपूर्ण है कि युद्धकाल में वाणिज्यिक जहाजों पर तैनात नागरिक नाविकों को युद्ध का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर ट्रंप के साथ उनकी मुलाकात को लेकर निशाना साधा था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि ओमान की खाड़ी में जहाज पर हुए हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा प्रधानमंत्री ने ट्रंप के सामने नहीं उठाया। कांग्रेस ने कहा कि घटना को लेकर बढ़ते आक्रोश के बावजूद प्रधानमंत्री इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाने में विफल रहे और अमेरिका से माफी या खेद व्यक्त करने की मांग क्यों नहीं की गई।

थरूर की टिप्पणी ने भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका दे दिया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए थरूर की खुलेआम प्रशंसा ने राहुल गांधी को बेनकाब कर दिया है। भाजपा ने कहा, थरूर खुलेआम प्रधानमंत्री की कूटनीति की तारीफ कर रहे हैं! राष्ट्रीय हित की रक्षा की बात आती है तो प्रधानमंत्री सबसे आगे हैं। लेकिन भारत के राष्ट्रीय हित के खिलाफ बोलने की बात आती है तो राहुल गांधी सबको पीछे छोड़ देते हैं।

दरअसल, जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी और ट्रंप के बीच मुलाकात हुई थी। इससे ठीक पहले ओमान की खाड़ी में एक जहाज पर अमेरिकी हमले में 3 भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। इसे लेकर विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा था। विपक्ष का कहना था कि प्रधानमंत्री ने ट्रंप से मुलाकात के दौरान इस मुद्दे को नहीं उठाया। अब इसी मुद्दे पर थरूर ने पार्टी से अलग रुख अपना लिया है।

नीट अभ्यर्थी केवल एडमिट कार्ड दिखाकर डीटीसी बसों में कर सकेंगे निःशुल्क यात्राः CM रेखा गुप्ता

नीट परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों के लिए मुफ्त डीटीसी यात्रा, अभिभावकों के लिए विशेष कूलिंग जोन की व्यवस्था

97 परीक्षा केंद्रों के बाहर मिलेगा बैठने का स्थान, पेयजल, ओआरएस, शिकंजी, चाय और प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के लिए कल लाखों विद्यार्थी अपने सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएंगे। परीक्षा से एक दिन पहले मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि परीक्षा के दिन किसी भी परिवार को परिवहन, गर्मी या प्रतीक्षा से जुड़ी अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि जहां नीट अभ्यर्थियों के लिए डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की गई है, वहीं सभी 97 परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों और परिजनों के लिए विशेष कूलिंग जोन भी तैयार कर दिए गए हैं। हर विद्यार्थी के सपनों और हर अभिभावक की उम्मीदों का सम्मान करना सरकार की जिम्मेदारी है और पूरी दिल्ली कल परीक्षा देने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी की सफलता के लिए शुभकामनाएं दे रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में नीट परीक्षा के लिए कुल 97 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास जिला प्रशासन की ओर से विशेष कूलिंग जोन स्थापित किए जा रहे हैं। यह पहली बार है जब परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता और परिजनों के आराम एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रतीक्षा व्यवस्था की

जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी केंद्र के भीतर होते हैं, लेकिन बाहर कई घंटे तक प्रतीक्षा कर रहे माता-पिता की चिंता, धूप, गर्मी और असुविधा पर अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाता। दिल्ली सरकार ने इस मानवीय पहलू को समझते हुए केंद्रों के आसपास कूलिंग जोन बनाए हैं, जहां अभिभावकों के बैठने व विश्राम की व्यवस्था के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल, शिकंजी, ओआरएस, चाय तथा प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। परीक्षा केंद्रों के बाहर ही उनके लिए आरामदायक प्रतीक्षा व्यवस्था उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 21 जून को सभी नीट परीक्षार्थी डीटीसी बसों में निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए उन्हें केवल अपना वैध नीट एडमिट कार्ड बस कंडक्टर को दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि परीक्षा के दिन विद्यार्थियों को परिवहन संबंधी किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और वे समय पर अपने परीक्षा केंद्र पहुंचकर पूरी एकाग्रता एवं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं का समय, परिश्रम और भविष्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परीक्षार्थियों को उनकी शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान हरसंभव सहयोग और सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जब अभिभावक सहज और निश्चिंत रहेंगे तो विद्यार्थियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकेंगे।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सभी नीट अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परीक्षा उनके परिश्रम, समर्पण और सपनों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने का आग्रह किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना कर रही है।

भीषण सड़क हादसाः खड़े ट्रक से टकराई बाइक, 3 युवकों की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने फूंक दिया ट्रक

सूरजपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सुरजपुर जिले से एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक खड़े ट्रक से टकराने के कारण बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। यह घटना प्रतापपुर थाना इलाके में हुई है।

लापरवाही ने ली तीन जान

जानकारी के मुताबिक, हादसे की वजह ट्रक ड्राइवर की बड़ी लापरवाही रही। बताया जा रहा है कि ट्रक ड्राइवर ने पहले एक कार को टक्कर मारी और फिर ट्रक को सड़क पर ही लावारिस छोड़कर फरार हो गया। इसी दौरान एक ही बाइक पर सवार होकर आ रहे चार युवक सड़क पर खड़े इस ट्रक से सीधे जा टकराए। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे की खबर फैलते ही शिवपुर इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। स्थानीय ग्रामीणों ने घटना स्थल पर इकट्ठा होकर जमकर हंगामा किया और ट्रक को आग के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही प्रतापपुर थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और मामला शांत कराते हुए जांच में जुट गई।

बम धमाकों से थर्राया पाकिस्तान- घायलों को अस्पताल ले जाते समय फिर हुआ रिमोट कंट्रोल से विस्फोट, सात की मौत

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में शनिवार को हुए दो

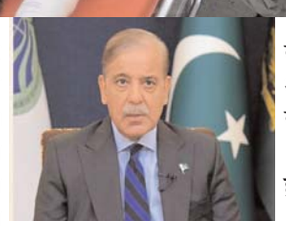

सिलसिलेवार विस्फोटों ने एक बार फिर देश में बढ़ते आतंकवाद की गंभीर तस्वीर सामने रख दी। आतंकियों ने पहले एक यात्री वाहन को निशाना बनाया। इसके बाद जब घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब दूसरा विस्फोट कर दिया गया। इन दोनों हमलों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने इसे रिमोट कंट्रोल से किए गए आतंकी हमले करार दिया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा बलों ने घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

पहला धमाका कैसे हुआ और कितने लोग मारे गए?

पुलिस के अनुसार पहला विस्फोट बन्नू जिले के फांग मूसा खेल इलाके में हुआ। एक निजी डैटसन वाहन यात्रियों को लेकर डोमेल की ओर जा रहा था, तभी उसे रिमोट कंट्रोल बम से निशाना बनाया गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि वाहन पूरी तरह तबाह हो गया। इस विस्फोट में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य लोग घायल भी हुए। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की।

दूसरा विस्फोट कब और कहां हुआ?

पहले हमले में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी लगभग एक किलोमीटर दूर दूसरा विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह हमला भी एक वाहन को निशाना बनाकर किया गया। दूसरे धमाके में दो लोगों की मौत हो गई और वाहन पूरी तरह नष्ट हो गया। लगातार दो विस्फोट होने से इलाके में दहशत फैल गई। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि हमलावरों ने बचाव कार्य को भी निशाना बनाने की योजना बनाई थी।

बचाव और सुरक्षा एजेंसियों ने क्या कार्रवाई की?

घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू 1122 की टीमों को मौके पर भेजा गया। मृतकों के शव और घायलों को डोमेल ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र तथा खलीफा गुल नवाज टीचिंग अस्पताल पहुंचाया गया।

पहले फॉर्म, फिर प्रवेशः होर्मुज से अमेरिकी नाकाबंदी हटते ही ईरान का नया फरमान; सिर्फ इन जहाजों की ही एंट्री

तेहरान (ए.)। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में शामिल होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान ने बड़ा बदलाव कर दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद अब कोई भी जहाज सीधे होर्मुज से नहीं गुजर सकेगा। ईरान ने नई अनुमति व्यवस्था लागू करते हुए कहा है कि केवल वही जहाज इस समुद्री मार्ग का इस्तेमाल कर पाएंगे जो पहले से आवेदन करेंगे और तय नियमों का पालन करेंगे। यह फैसला ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों के बाद समुद्री व्यापार को फिर से सामान्य बनाने की तैयारी चल रही है। चूंकि दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और एलएनजी इसी मार्ग से गुजरता है, इसलिए ईरान के इस कदम को वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

क्या बदला है और अब जहाजों को क्या करना होगा?

पहले होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए किसी विशेष अनुमति की जरूरत नहीं होती थी। जहाज अंतरराष्ट्रीय समुद्री नियमों के तहत इस रास्ते का इस्तेमाल करते थे। लेकिन अब ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (पीजीएसए) नाम की नई संस्था बनाकर पूरी प्रक्रिया बदल दी है। अब हर जहाज को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद ही उसे आगे बढ़ने की अनुमति मिलेगी।

मैं बॉस हूं ' वाले बयान पर ट्रंप की सफाई, बोले- मजाक कर रहा था, दुनिया ने गंभीरता से ले लिया

वॉशिंगटन (ए.)। जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान दुनिया के बड़े नेताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एक टिप्पणी अचानक वैश्विक चर्चा का विषय बन गई। सम्मेलन में प्रवेश करते समय ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'मैं बॉस हूं।' यह बयान तेजी से सोशल मीडिया और अंतरराष्ट्रीय मीडिया में वायरल हो गया। अब ट्रंप ने इस पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका मकसद किसी पर रौब जमाना नहीं था, बल्कि वह सिर्फ मजाक कर रहे थे। ट्रंप का कहना है कि उनकी इस टिप्पणी को संदर्भ से अलग करके देखा गया और इसे जरूरत से ज्यादा गंभीरता से लिया गया।

ट्रंप ने 'मैं बॉस हूं' बयान पर क्या सफाई दी?

एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप से जी7 सम्मेलन में दिए गए उनके बयान को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि वह केवल मजाक कर रहे थे और किसी भी नेता पर अपनी श्रेष्ठता दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे थे। ट्रंप ने बताया कि जब वह बैठक कक्ष में पहुंचे तो वहां पहले से कई देशों के प्रमुख नेता बैठे हुए थे। उसी दौरान उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बॉस हूं।' ट्रंप ने कहा कि यह एक मजाकिया टिप्पणी थी, लेकिन बाद में यह पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। उन्होंने कहा कि उन्हें हैरानी है कि एक सामान्य मजाक को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया गया।

भारत के खिलाफ सड़कों पर क्यों आए लोग? भीड़ ने फूंका अमित शाह का पुतला, उच्चायोग पर हमले की कोशिश

ढाका (ए.)। बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। राजधानी ढाका में कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने भारत के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंका और भारतीय उच्चायोग की ओर मार्च निकालने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। इस घटना ने भारत-बांग्लादेश संबंधों और बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। खास बात यह है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से भारत विरोधी प्रदर्शनों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है।

भारत विरोधी प्रदर्शन की वजह क्या बताई जा रही है?

जमात-ए-इस्लामी और उसके नेतृत्व वाले 11 दलों के गठबंधन ने भारत के खिलाफ नया अभियान शुरू किया है। इस गठबंधन का दावा है कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर कथित 'पुश-इन' और सीमा पर गोलीबारी की घटनाओं के विरोध में यह आंदोलन चलाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले कुछ महीनों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिकों को जबरन सीमा पार धकेलने की कोशिश हुई है। इसके अलावा सीमा पर कथित गोलीबारी की घटनाओं को भी आंदोलन का प्रमुख मुद्दा बनाया गया है। इन्हीं आरोपों के आधार पर देशभर में विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

ढाका में प्रदर्शन के दौरान क्या हुआ?

ढाका में 'बांग्लादेश आजाद पार्टी' के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारी भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने गुलशन-1 इलाके में उन्हें रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया और भारत विरोधी नारे लगाए। इसी दौरान अमित शाह का पुतला भी जलाया गया। विरोध प्रदर्शन में कई राजनीतिक और धार्मिक संगठनों के नेता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान भारत की कथित 'दादागीरी' और सीमा संबंधी मुद्दों को लेकर भाषण दिए गए।

बांग्लादेश आजाद पार्टी क्या है और इसकी भूमिका क्या है?

बांग्लादेश आजाद पार्टी एक नया राजनीतिक मंच है, जिसकी शुरुआत इसी वर्ष अप्रैल में की गई थी। पार्टी का घोषित उद्देश्य न्याय और निष्पक्षता पर आधारित व्यवस्था स्थापित करना और कथित भारतीय प्रभाव से मुक्त बांग्लादेश का निर्माण करना बताया गया है। हालिया विरोध प्रदर्शनों में इस संगठन ने प्रमुख भूमिका निभाई है। पार्टी के नेताओं ने कहा कि वे देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रखेंगे। इसी मंच के जरिए भारत विरोधी कार्यक्रमों को संगठित किया जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने भारत के खिलाफ कौन-कौन से आरोप लगाए?

गठबंधन के नेताओं का दावा है कि पिछले 100 दिनों में सीमा पर हुई घटनाओं में कई बांग्लादेशी नागरिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की सीमा सुरक्षा बल की कार्रवाई में लोगों की मौत और घायल होने की घटनाएं हुई हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया महान नेता, बोले- प्रधानमंत्री बहुत ही सख्त प्रशासक

बीजिंग (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता और सख्त प्रशासक बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने एक्सियोस के साथ एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के उन नेताओं में शामिल किया जिनकी वे सबसे ज्यादा सराहना करते हैं। इंटरव्यू के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने ताकत, कूटनीति और वैश्विक नेतृत्व के मुद्दे पर बात की। इंटरव्यू के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार पीएम मोदी की सराहना की। ट्रंप ने पीएम मोदी की उन खूबियों पर बात की जो उनके प्रभावशाली नेतृत्व को दर्शाती हैं। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री के लंबे कार्यकाल, राजनीतिक ताकत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि की ओर इशारा किया।

फीचर

सिर्फ बचत नहीं, सही निवेश भी जरूरी : हेली शाह

मुंबई (ए.)। दुनिया भर में चल रहे तनाव और आर्थिक

उतार-चढ़ाव के बीच एक्ट्रेस हेली शाह ने लोगों को सलाह दी है कि अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखने के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग बेहद जरूरी है। हेली ने बताया कि हमारे देश में बचपन से ही गुल्लक और बचत का एक भावनात्मक रिश्ता रहा है, जो हमें मितव्ययी होने की सीख देता है। लेकिन आज के समय में, उन्होंने जोर देकर कहा, सिर्फ पैसे बचाना ही काफी नहीं है, बल्कि उसके लिए सही जानकारी होना और सही जगह निवेश करना भी उतना ही अहम है। अभिनेत्री ने प्रधानमंत्री की अपील का जिक्र करते हुए यह सलाह भी दी कि पारंपरिक तरीके से ज्यादा सोना खरीदने के बजाय, म्यूचुअल फंड्स जैसे विकल्पों में पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। यह दिखाता है कि वे सिर्फ बचत की बात नहीं कर रही हैं, बल्कि आधुनिक और प्रभावी निवेश रणनीतियों पर भी जोर दे रही हैं। हेली ने अपनी पर्सनल लाइफ का उदाहरण देते हुए बताया कि पैसों की बचत करने का यह हुनर उन्होंने किसी क्लास से नहीं, बल्कि अपने पिता को देखकर सीखा है। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने कभी उन्हें बिठाकर किताबी ज्ञान नहीं दिया, लेकिन घर के माहौल और पिता के फाइनेंशियल फैसलों को देखकर ही उन्होंने अपनी समझ विकसित की। आज वे खुद यह तय करती हैं कि उनकी कमाई का कितना हिस्सा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में जाएगा और कितना म्यूचुअल फंड में निवेश होगा।

साल 2023 में निवेथा ने बना लिया था फिल्म इंडस्ट्री छोडने का मन

मुंबई (ए.)। साउथ की मशहूर अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कहने का मन बना लिया था। हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा किया है स्वयं अभिनेत्री ने। हालांकि, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था और परिस्थितियों ने ऐसा मोड़ लिया कि उन्हें महान निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म 'सिंग गीतम' का हिस्सा बनने का अभूतपूर्व अवसर मिला, जिसने न केवल उनके करियर को एक नई दिशा दी, बल्कि उनके जीवन में भी एक नई ऊर्जा का संचार किया।

फिल्म 'सिंग गीतम' की शानदार सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने हृदयस्पर्शी अनुभव साझा किए। निवेथा ने बताया कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से पूरी तरह से दूर जाना चाहती थीं। उनके अनुसार, जीवन कभी-कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने भावुक होकर कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का अपना फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास और यादगार फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं, जिसने उन्हें एक बार फिर अभिनय के प्रति प्रेरित किया है। निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्म विश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसके लिए वह हमेशा उनकी आभारी रहेंगी। इस दौरान अभिनेत्री काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने अपनी आंतरिक उथल-पुथल को साझा करते हुए कहा कि यदि नाग अश्विन का सहयोग और विश्वास नहीं मिला होता, तो वह शायद आज किसी शांत स्थान पर आध्यात्मिक जीवन जी रही होतीं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह एक अलग और शांत जीवन चुनने की सोच रही थीं, लेकिन अब वह पूरी ऊर्जा, दृढ़ विश्वास और नए जुनून के साथ अपने करियर में वापस लौट चुकी हैं, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक खुशी की बात है। अभिनेत्री ने फिल्म देखने के दौरान अपने भावनात्मक अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी और उसका गहरा संदेश उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। उनके अनुसार, यह फिल्म वर्तमान समय की कई महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरण संबंधित चुनौतियों को सशक्त तरीके से पेश करती है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है।

आकांक्षा ने ग्राम चिकित्सालय-2 में अपने किरदार को लेकर की खुलकर बातें

मुंबई (ए.)। अपने वेब शो ग्राम चिकित्सालय के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शो के नए सीजन में अपने किरदार डॉ. गार्गी के सफर को लेकर खुलकर बात की। आकांक्षा ने बताया कि इस बार दर्शकों के लिए क्या खास और नया अनुभव इंतजार कर रहा है। अभिनेत्री ने विस्तार से

बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। इस बार उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार को और अधिक गहराई देंगे और कहानी को दर्शकों के लिए और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, ''डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और उसे भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था, और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा।

एक अभिनेत्री के रूप में यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है। उन्होंने आगे कहा, दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है। आकांक्षा के मुताबिक, ये नई परतें न केवल उनके अभिनय को और धार देंगी, बल्कि दर्शकों को भी कहानी से और गहराई से जोड़ने में मदद करेंगी। ग्राम चिकित्सालय के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। यह शो ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों और एक डॉक्टर के समर्पण को बेहद प्रामाणिक तरीके से दर्शाता है।

अगले साल शुरू हो सकती है गदर 3 की शूटिंग : अनिल शर्मा

अगले साल शुरू हो सकती है गदर 3 की शूटिंग- अनिल शर्मा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म गदर- एक प्रेम कथा के 25 साल पूरे होने के मौके पर फिल्म डायरेक्टर अनिल शर्मा ने गदर 3 को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने बताया है कि अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होने की पूरी संभावना है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। साल 2001 में रिलीज हुई गदर- एक प्रेम कथा को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। इस फिल्म ने अपनी रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था और यह इतनी बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी कि इसका सीक्वल बनाना तय था। गदर 2 ने भी सिनेमाघरों में धमाकेदार कमाई की और पहले पार्ट की सफलता को दोहराया। अब, जबकि गदर 2 की अपार सफलता के बाद लोग बेसब्री से इसके तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं, अनिल शर्मा का यह बयान फैंस के लिए एक उम्मीद की किरण लेकर आया है।

अनिल शर्मा ने गदर के 25 साल पूरे होने पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि इतने वर्षों के बाद भी लोग इस फिल्म को भूल नहीं पाए हैं। उन्होंने दावा किया कि गदर को उस वक्त तकरीबन 10 करोड़

लोगों ने थिएटर में देखा था और आज तक किसी फिल्म ने इतने फुटफॉल्स का रिकॉर्ड नहीं बनाया है। उन्होंने यह भी बताया कि गदर 2 ने भी उतनी ही बड़ी सफलता हासिल की थी, जो इस फ्रेंचाइजी की अदम्य लोकप्रियता का प्रमाण है। यह खास बात है कि गदर- एक प्रेम कथा आमिर खान की लगान के साथ रिलीज हुई थी, लेकिन दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई की थी। जब उनसे गदर 3 को लेकर सवाल किया गया, तो अनिल शर्मा ने साफ किया कि गदर 3 के लिए उन्हें न्यूक्लियर बम जैसी कहानी का इंतजार है। इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि वे किसी साधारण स्क्रिप्ट पर काम नहीं करना चाहते, बल्कि उन्हें एक ऐसी कहानी चाहिए जो पहले के दो हिस्सों की तरह ही दमदार, भावनात्मक और बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने वाली हो।

उन्होंने बताया कि इस वक्त स्क्रिप्ट पर काम किया जा रहा है और अगर उन्हें ऐसी ही कोई जबरदस्त कहानी मिल जाती है और सब ठीक रहता है, तो अगले साल फिल्म फ्लोर पर यानी शूटिंग शुरू होने के लिए तैयार होगी। गदर फ्रेंचाइजी की सफलता का एक बड़ा श्रेय तारा सिंह और सकीना की अद्वितीय प्रेम कहानी और सनी देओल और अमीषा पटेल की केमिस्ट्री को जाता है। दोनों की जोड़ी ने यह साबित कर दिया था कि इस फिल्म में इन किरदारों के लिए न कोई दूसरा हीरो और न कोई दूसरी हीरोइन इस तरह की एक्टिंग कर पाते। उनकी यह प्रेम कहानी दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए बस गई हैं।

राठौर पार्क स्थित गंज टंकी का हुआ लोकार्पण, अमृत 2.0 योजना के तहत 25 हजार नागरिकों को मिलेगा लाभ

अमृत 2.0 योजना के माध्यम से शहर की पेयजल व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने का कार्य : नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर

सीहोर (निप्र)। नगर के विकास को नई गति देते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत राठौर पार्क स्थित गंज क्षेत्र की नवीन पेयजल टंकी का भव्य लोकार्पण किया गया। 13 लाख लीटर क्षमता वाली यह अत्याधुनिक पानी की टंकी गंज क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 10 से 17 तक के नागरिकों को नियमित एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इस महत्वपूर्ण परियोजना से लगभग 25 हजार नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र में लंबे समय से महसूस की जा रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

लोकार्पण अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को अभूतपूर्व गति मिली है। नगर पालिका परिषद भी उसी संकल्प के साथ सीहोर नगर के प्रत्येक वार्ड में जनहित और विकास के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर रही है। उन्होंने कहा कि अमृत 2.0 योजना के माध्यम से शहर की पेयजल व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षों में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी।

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि गंज क्षेत्र की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए इस 13 लाख लीटर क्षमता की टंकी का निर्माण कराया गया है। इसके प्रारंभ होने से हजारों परिवारों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद केवल घोषणाएं नहीं बल्कि धरातल पर विकास कार्यों को उतारने का कार्य कर रही है। सड़क, पेयजल, सीवरेज, प्रकाश व्यवस्था, उद्यान विकास और सौंदर्यीकरण जैसे अनेक कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जिससे सीहोर नगर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।नगर की जनता ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास पर खरा उतरना परिषद की प्राथमिकता उन्होंने आगे कहा कि नगर की जनता ने जो विश्वास व्यक्त किया है, उस विश्वास पर खरा उतरना परिषद की प्राथमिकता है। प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं तथा समयबद्ध तरीके से उन्हें पूर्ण भी किया जा रहा है। नगर के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए परिषद निरंतर प्रयासरत है तथा आने वाले समय में भी कई बड़ी विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुधीर सिंह ने कहा कि अमृत 2.0 योजना के तहत नगर में पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के निर्देश आमजनों के लिए भी चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

सीहोर (निप्र)। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री के आह्वान के चलते राज्य शासन ने शासकीय कार्यालयों में मितव्ययता बरतने के साथ ही आमजन के बीच जन-जागरूकता अभियान चलाने के लिये विभाग प्रमुख और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि अनावश्यक यात्रा और व्यय में कमीं लाने के लिए विभागीय बैठकों, कार्य-शालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं सेमीनारों का आयोजन यथा संभव वीडियों कांफ्रेंसिंग अथवा हाईब्रिड माध्यम से किया जाए। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश अनुसार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालय आने-जाने के लिए सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। भारसाधक सचिव अपने अधीनस्थों की प्रदेश के बाहर की यात्राएं अत्यावश्यक परिस्थितियों में ही स्वीकृत करेंगे। भार साधक सचिव की प्रदेश के बाहर शासकीय कार्य के लिए यात्राएं पूर्व अनुसार मुख्य सचिव के अनुमोदन उपरांत स्वीकृत की जाएंगी। सभी विभाग भारत सरकार से संबंधित प्रकरणों के अनुसरण के लिए आवासीय आयुक्त नई दिल्ली-मुंबई की सहायता ले सकेंगे। कृषि, उद्यानिकी तथा संबद्ध विभाग को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं रासायनिक उवर्रकों के संतुलित उपयोग को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह पाइप्ड नेचुरल गैस की लाइन के विस्तार के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य विभाग को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा एलपीजी उपभोक्ताओं के डुप्लीकेट और अपात्र कनेक्शनों की पहचान और उसके निराकरण के लिए अभियान चलाने को कहा गया है।

21 जून को सलकनपुर जोन के 69 गांवों में नहीं होगा जल प्रदाय

सीहोर (निप्र)। मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के जल शोधन संयंत्र पर लगे पंप में मेंटेनेंस कार्य के कारण 21 जून को सलकनपुर जोन के 69 ग्रामों में जल प्रदाय बाधित रहेगा। जिन ग्रामों में जल प्रदाय बाधित रहेगा उनमें अंवालीघाट, गंजीत, इटारसी, पानगुराड़िया, मठिनी, मुर्रा, धनकोट, पाथोड़ा, चरुआ, जहाजपुरा, ओंडिया, सतारा, दीपाखेड़ा, होलीपुरा, पिलीकरार, खंडावड़, बन्या, ऊंचाखेड़ा, पांडाडोह, देवगांव, महुकला, जमुनियाकला एवं भूरीटेक, भादकुल, खेड़ी, बोरधी, मैलबन्या, सगुनिया, गेहूंखेड़ा, कोसमी, झोलियापुर, प्रतापुरा, जमुनिया प्रजापत, गोंडीगुराड़िया, चिचला खुर्द, सोयत, नरेला, नदियाखेड़ा, मर्दानपुर, बहराखेड़ी, डोंगरी, बोरी, पिपलिया, रेवागांव, नेहलई, मट्ठागांव, मंझारकुई, नयागांव, काकरधा, खडली, बरखेड़ा, बसनिया कला, भोमड़ा, सावलखेड़ा, धनकोट, बसनिया खुर्द, मोगरा, पांगरा, फुलदा, सेमरी, सलकनपुर, खानपुरा, मकोड़िया, सेमरिया, रतनपुर (सेमरी), इटावाजदीद, रिंझारिया, बोरघाटी, कलवाना, रामगढ़ा शामिल हैं।

माटीकला को आगे बढ़ाने के लिए प्रदान किया गया इलेक्ट्रिक चाक

सीहोर (निप्र)। मध्य प्रदेश टेराकोटाआर्टिस्ट हेमंत प्रजापति द्वारा ग्राम थूना कला निवासी सुनील प्रजापति सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों के कुशल माटी कला के कारीगरों को अपने पुश्तैनी कुम्हारी काम को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बिजली से चालित इलेक्ट्रॉनिक चाक एवं टूल किट प्रदान किया गया भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय हस्तशिल्पीय विकास कार्यक्रम योजना के तहत खरगोन जिले के ग्राम खसराबाद मैं आयोजित ट्रेनिंग में इंदौर हस्तशिल्प विभाग के डायरेक्टर पीयूष सिंह एवं शिवालक जनकल्याण समिति खसराबाद के डायरेक्टर सतीश सिंह कार्यक्रम में उपस्थित रहे इस अवसर पर सुनील प्रजापति ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतवर्ष में ऋषि मुनियों और पूर्वजों के समय से मिट्टी से कलाकृतियां बनाई जा रही है और हमारा यह व्यवसाय भारत भूमि की मिट्टी से जुड़ा हुआ है जो कि हम सबके लिए बड़ा ही गौरवशाली है।

नगरीय निकाय कर्मियों की सेवाकाल में असमय मृत्यु पर आश्रितों को मिलेगा 1.25 लाख रुपये तक का अनुग्रह अनुदान

सीहोर(निप्र) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रगतिशील सोच और लोककल्याणकारी निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता से आज प्रदेश के नगरीय निकाय कर्मचारियों और उनके परिवारों को एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा कवच मिला है।%% नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए बताया कि नगरीय निकायों के सेवकों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने बताया कि मध्यप्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम, 2017 के दायरे में आने वाले नगर पालिक निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर परिषद के कर्मचारियों की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर उनके आश्रितों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कर्मचारी के बैण्ड वेतन तथा ग्रेड पे के सम्मिलित योग के छह गुना के बराबर की धनराशि अनुग्रह अनुदान के रूप में प्रदान की जाएगी, जिसकी अधिकतम सीमा 1,25,000 रुपये (एक लाख पच्चीस हजार रुपये) होगी। यह कल्याणकारी निर्णय 1 अप्रैल, 2025 और उसके उपरांत घटित होने वाले सभी प्रकरणों पर प्रभावशील होगा।

21 जून को आवासीय खेल परिसर में आयोजित होगा जिला स्तरीय योग कार्यक्रम

योग कार्यक्रम में शामिल होंगे राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रात: 06 बजे जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन सीहोर के शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान के मल्टीपर्पज हॉल में किया जाएगा। जिला स्तरीय योग कार्यक्रम में राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा शामिल होंगे। साथ ही जिले के समस्त विकासखंड मुख्यालयों, पंचायत स्तर तथा शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों में भी सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए जारी कार्यक्रम अनुसार प्रात:काल 06 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों का आगमन होगा। इसके बाद 06:15 से 06:30 तक अतिथियों का उद्बोधन होगा। इसके बाद 06:30 बजे कोलकाता से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एवं उद्बोधन होगा। इसके बाद 07 बजे से 07:45 बजे योगाभ्यास कार्यक्रम होगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से हुई अभिलाषा के गृहस्थ जीवन की शुरुआत

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी और अनूठी योजनाओं में से एक है। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक और धूमधाम से कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत जहां एक ओर सामूहिक विवाह समारोह के माध्यम से बेटियों का नया जीवन शुरू होता है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को काफी राहत मिल रही है और माता-पिता बेटी के विवाह की चिंता से मुक्त हो रहे हैं। सीहोर में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के सामूहिक विवाह सम्मेलन में सीहोर जिले के ग्राम रातिखेड़ा की बेटी अभिलाषा भी परिणय सूत्र में बंधीं। अभिलाषा बताती हैं कि यह योजना उनके जैसी कई बेटियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस योजना के कारण उनका विवाह सम्मानपूर्वक और खुशियों के माहौल में सम्पन्न हुआ। सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता से उन्हें अपने नए गृहस्थ जीवन की शुरुआत करने में भी मदद मिलेगी। बेटी अभिलाषा ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना ने गरीब परिवारों की बेटियों को सम्मान के साथ नया जीवन शुरू करने का अवसर दिया है। यह योजना न केवल बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बना रही है बल्कि समाज में उनके सम्मान और सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

विभागीय भविष्य निधि प्रकरणों के निराकरण में आएगी तेजी, अब ई-डीपीएफ प्रणाली से होगी ऑनलाइन प्रक्रिया

सीहोर(निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों के विभागीय भविष्य निधि (DPF) प्रकरणों के निराकरण को अधिक सरल, पारदर्शी और समय-सीमा में पूरा करने के उद्देश्य से ई-डीपीएफ (e-DPF) प्रणाली लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। नई व्यवस्था के तहत भविष्य निधि से संबंधित सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन माध्यम से संपादित की जाएंगी, जिससे कर्मचारियों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। ई-डीपीएफ प्रणाली के माध्यम से विभागीय भविष्य निधि अभिदाता अपने भविष्य निधि खाते की जानकारी ऑनलाइन देख सकेंगे। कर्मचारी IFMIS (Integrated Financial Management Information System) के ESS मॉड्यूल में लॉगिन कर वेतन से की गई कटौतियों, शासन द्वारा देय ब्याज तथा भविष्य निधि खाते से संबंधित अन्य विवरणों की जांच कर सकेंगे। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या विसंगति सामने आती है तो कर्मचारी संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारी (DDO) को इसकी जानकारी देकर सुधार करा सकेंगे। वित्त विभाग के निर्देशों के अनुसार सेवानिवृत्ति के पूर्व भविष्य निधि के अंतिम भुगतान की प्रक्रिया भी अब ऑनलाइन होगी। सेवानिवृत्ति से लगभग चार माह पहले कर्मचारी को IFMIS के ESS मॉड्यूल के माध्यम से अंतिम भुगतान हेतु आवेदन प्रस्तुत करना होगा। आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित DDO द्वारा कर्मचारी की सेवा पुस्तिका, भविष्य निधि अभिलेख और ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी का परीक्षण कर प्रकरण को आगे की कार्यवाही के लिए ऑनलाइननई व्यवस्था में आवेदन प्रक्रिया के दौरान कर्मचारी द्वारा दी गई जानकारी की शुद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक होगा। ऑनलाइन आवेदन सफलतापूर्वक सबमिट होने के बाद भुगतान प्रक्रिया पूरी होने तक संबंधित बैंक खाते में परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। साथ ही आवेदन के समय प्राप्त OTP एवं सिस्टम द्वारा जनरेट की गई आईडी को सुरक्षित रखना कर्मचारी की जिम्मेदारी होगी ई-डीपीएफ प्रणाली लागू होने से भविष्य निधि प्रकरणों की निगरानी भी आसान होगी। विभागीय अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से प्रकरणों की स्थिति देख सकेंगे, जिससे लंबित मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और कर्मचारियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। वित्त विभाग ने सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नई ऑनलाइन व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को भविष्य निधि की राशि का भुगतान बिना विलंब के प्राप्त हो सके।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्य भारत की भव्य कार्यकारिणी का गठन

नर्मदापुरम। पिपरिया। समाज के उत्थान शिक्षा और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम पिपरिया नगर की बहु प्रतीक्षित भव्य कार्यकारिणी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री विश्वास कैलाश सारंग राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव नीलू प्रांतीय अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव प्रांतीय सचिव राजीव खरे की अनुमति उपरांत जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने नई कार्यकारिणी का गठन कर 20 जून को घोषित कर दी। जिसमें रविन्द्र श्रीवास्तव अध्यक्ष अनिल कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष राजेश कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष विष्णुकांत कौशल महामंत्री नीरज कुमार श्रीवास्तव सचिव राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव महासचिव संतोष कुमार ब्यौहार कोषाध्यक्ष मनीष कुमार श्रीवास्तव सहसचिव अनुराग श्रीवास्तव सहसचिव विनोद कुमार श्रीवास्तव सहसचिव अजय श्रीवास्तव प्रचार मंत्री संतोष कुमार श्रीवास्तव सांस्कृतिक प्रभारी कार्तिक खरे मीडिया प्रभारी उमेश कुमार श्रीवास्तव संगठन मंत्री शशिकांत वर्मा संगठन मंत्री, आंचल खरे ओमप्रकाश खरे कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए हैं।

आज होगा दीप महोत्सव 5000 सीवन पुत्र एवं पुत्री बनने पर दीप महोत्सव मानकर सीवन के प्रति जागरूकता का देंगे संदेश

सीहोर(निप्र)। शनिवार को सीवन उद्धार का 87 वां दिवस था और यह दिवस और ज्यादा विशेष बन गया जब सीवन पुत्र एवं सीवन पुत्री की संख्या अपने लक्ष्य पर पहुंच गई,सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि 5 हजार सीवन पुत्र एवं पुत्री बनाने का जो लक्ष्य लिया था वह पूरा हुआ,सीवन पुत्र एवं पुत्री बनाने के पीछे का उद्देश्य यह था कि प्रकृति से भावनात्मक संबंध स्थापित हो,और नदियां जो हमारी जीवन दायिनी होती है उनको स्वच्छ रखना हम सभी का कर्तव्य है जब ह्यद्य जब संबंध स्थापित हो जाते हैं तो जन्म देने वाली मां के समान है लोग नदियों की रक्षा और सेवा करने लगते हैंआगे यह भी बताया कि 5000 पुत्र-पुत्री बनने के अवसर पर शहर के प्रसिद्ध मंदिर श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में दीपोत्सव मनाया जाएगा एवं सिवान के प्रति जागरूकता व स्वच्छता का संदेश इस दीप महोत्सव के माध्यम से दिया जाएगा ।ज्ञात होगी जीवन उद्धार का आज का 88 व दिवस है और लगातार जीवन उद्धार का काम जारी है और इसी के साथ-साथ सीवन पुत्र और पुत्री की टीम पौधरोपण व स्वच्छता के कार्यक्रम चला रही है और साथ ही लगातार सार्वजनिक जगह पर जाकर,स्कूल-कॉलेज वार्डों में जाकर लोगों को नदियों के प्रति संकल्प दिला रही है।सभी सिवान पुत्रों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया है और सभी ने निवेदन किया है शहर वासियों से हम क्षेत्र वासियों से की इस द्वीप महोत्सव में अपनी उपस्थिति जरूर दर्ज करवाए ताकि जीवन के प्रति एक सकारात्मक संदेश सभी के बीच पहुंचे निवेदन करने वालों में जीवन पुत्र वैभव राठौर, मुकेश राय,जगदीश कुमार वर्मा,कैलाश चव्हाण,विजय जैन पंछी,राजकुमार सोनी, कनीराम मालवीय, मांगीलाल प्रजापति,संतोष मेवाड़ा,सतीश सीथा,प्रदीप चावड़ा,दिनेश वर्मा,मनीष राठौर,सादुल डाबी,संतोष सोनी,उमेश चावड़ा, सुरेश भगत अशोक नामदेव अशोक खत्री विल्सन जैन,नितेश जायसवाल,शील राय,शुभम चौरसिया,योगेंद्र राय,जितेंद्र आर्य,जितेंद्र कौशल,दीपक दलोदिया,अथर्व चावड़ा,नितिन मालवीय,राहुल सिसोदिया,उदित,अलका कुशवाह, ममता कुशवाह शिल्पी गुप्ता,ज्योति चावड़ा सोनिया सोनी प्रीति सोनी, चंद्रशेखर राजपूत कमल केवट राधेश्याम पचवारिया सचिन प्रजापत, सुधीर सोनी हैं।

प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने का आह्वान पवारखेड़ा में जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला संपन्न

जनप्रतिनिधियों एवं कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किया प्रेरित

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य संचालित कृषि आधारित विशेष अभियान के अंतर्गत कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र, पवारखेड़ा में जिला स्तरीय द्वितीय प्राकृतिक खेती कार्यशाला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें नर्मदापुरम, माखननगर, सिवनीमालवा एवं केसला विकासखंड के 300 से अधिक किसान भाई-बहनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विधायक नर्मदापुरम एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नरोलिया तथा विधायक सोहागपुर श्री विजयपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने अपने उद्बोधन में प्राकृतिक खेती की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों से पर्यावरण एवं स्वास्थ्य संरक्षण के लिए इसे अपनाने का आह्वान किया। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नरोलिया ने किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होने की सलाह देते हुए कहा कि यह खेती भविष्य की आवश्यकता है। विधायक सोहागपुर श्री विजयपाल सिंह ने रासायनिक खेती के दुष्परिणामों एवं इससे बढ़ रही गंभीर बीमारियों पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने प्राकृतिक खेती के अनुभव साझा किए तथा किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।उपसंचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से लागत में कमी, मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि, पर्यावरण संरक्षण तथा गुणवत्तायुक्त कृषि उत्पादन सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान के लिए प्राकृतिक खेती एक प्रभावी विकल्प है। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक डॉ. के.के. मिश्रा ने जैविक एवं प्राकृतिक पौध संरक्षण की तकनीकों की जानकारी दी। डॉ. विनोद कुमार ने प्राकृतिक खेती के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की।डॉ. राजेंद्र पटेल ने बायो रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) आधारित प्राकृतिक खेती मॉडल की जानकारी देते हुए बताया कि जैव उत्पाद केंद्रों के माध्यम से किसानों को जैविक आदानों की उपलब्धता, प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डॉ. देवीदास पटेल ने जीवामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क एवं नीमास्त्र जैसे प्राकृतिक कृषि आदानों की उपयोगिता एवं निर्माण विधि बताई।उप परियोजना संचालक आत्मा गोविंद मीना ने अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन एवं विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

'स्वस्थ आयु के लिए योग' । 'Yoga for Healthy Ageing'

सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, भारत की माननीय राष्ट्रपति

मुख्य अतिथि

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

भारत की माननीय राष्ट्रपति

गरिमामयी उपस्थिति

मंगुभाई पटेल

राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

21 जून 2026 | गैरीसन ग्राउंड, जबलपुर

आयुष से आरोग्य

आयुष शिक्षा का विस्तार

9 आयुष महाविद्यालय संचालित एवं
9 नये आयुर्वेदिक महाविद्यालयों को स्वीकृति

तकनीकी नवाचार

'वैद्य आपके द्वार' योजना अंतर्गत ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन परामर्श की सुविधा,
अब तक 23 हजार से अधिक को मिला लाभ

वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा

उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, कान्हा जैसे 18 प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक स्थलों पर
वेलनेस टूरिज्म को नई पहचान देते हुए विशेष वेलनेस केन्द्रों का विकास

जन-जन तक स्वास्थ्य का संबल

800+ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुरक्षा,
हर जिला चिकित्सालय में आयुष विंग सक्रिय

D-11046/26

"प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज यह विश्व को स्वस्थ, संतुलित एवं एक सूत्र में जोड़ने का सशक्त माध्यम बन गया है।"

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026